हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

7 मार्च, 1983

खंड 1 अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार 7 मार्च 1983

पृश्ठ संख्या

ब्रीच आफ प्रिविलेज का प्र न उठाया:	
(i) श्री किताब सिंह एम0एल0एज0 की कथित अवैध, गिरफतारी सम्बन्धी	(1)1
(ii) एम0एल0एज0 को पुलिस द्वारा रोकने सम्बन्धी	(1)2
राज्पाल का अभिभाशण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(1)2
भाोक प्रस्ताव	(1)15
अध्यक्ष द्वारा घोशणा	
(i) पैनल आफ चेयरमैन	(1)37
(ii) कमेटी आन पैटी ंज	(1)38
(iii) अनुपस्थिति की अनुमति	
चौधरी राजेन्द्र सिंह, खाद्य तथा पूर्ति मंत्री सम्बन्धी	(1)38
सचिव द्वारा घोशणा	

राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलों सम्बन्धी	(1)38
वाक आउट	(1)39
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट	(1)43
सदन की मेज पर रखे गये /पुनः रखे गये कागज–पत्र	(1)45
ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों में प्रिवेलिजज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिये समय बढाना–	(1)46
(i) 24–5–82 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिये चौधरी देवी लाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध।	(1)46
(ii) 24–6–82 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम0एल0ए0 के विरूद्ध	(1)48

हरियाणा विधान सभा

सोमवार 7 मार्च, 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़, में. प्रातः 15.27 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

ब्रीच आफ प्रिविलेज का प्र न उठाना–

(i) श्री किताब सिंह, एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफतारी सम्बन्धी।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरी एक अर्ज है कि हमारी पार्टी के एक एम0एल0ए0 को पुलिस द्वारा पीटा गया और उसे पीट कर भाामली के पास पुलिस छोड आई। मैं समझती हूं कि हमे इस बारे में डिसक ान के लिये कम से कम दो घंटे का समय मिलना चाहिये। हमने इस बारे में एक प्रिविलेज मो ान का नोटिस भी दिया है। हमने वह प्रिविलेज मो ान सरी अपोजी न पार्टी की तरफ से दियाहैं स्पीकर साहब, एक एम0एल0ए0 को पीटना, उसकी बेइज्जती करना और फिर रात के बारह बजे उसको भाामली के पास छोड आना कहां काप्रजातंत्र है? इससे ज्यादा जयादती प्रजातंत्र में और क्या हो सकती है? (ाोर एवं भोम भोम की आवाजें)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जब तक ऐसी कोई बात सरकार के नोटिस मे न लाई जाये तब तक इनहें हाउस में ऐसी बात नहीं कहनी चाहिये। यह बात बगैर सरकार के नोटिस में लाये ओर बगैर आपकी इजाजत के हाउस में कह रही है इसलिये यह सारी बात हाउस की कार्यवाही से निकाल दी जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सेनः स्पीकरसाहब, मैं भी आप की सेवा में एक बात अर्ज करना चाहता हूं। अगर हरियाणा की पुलिस ने उस एम0एल0ए0 को पकडा है तो उसे हरियाणा की टैरीटरी में ही रखना चाहिये था, उसे यू0पी0. में नहीं ले जाना चाहिये था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं इस बारे में रूल्ज के मुताबिक पूरा प्रोसीजर एडौप्ट कंरूगा ओर रूल्ज के अनुसार कार्यवाही करूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस सम्बन्ध में हमने लिखित रूप मे आपकी सेवा में नेाटिस दिया है।

श्री अध्यक्षः मै ंउसे जरूर देखूंगा ओर एक ान लूंगा।

(ii) एम0एल0एज0 को पुलिस द्वारा रोकने सम्बन्धी।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब अभी हम एम0एल0एज0 होस्टल से विधान सभा की तरफ आ रहे थे तो एम0एल0एज0

फलैटस के पास जो चौराहा है वहां पर पुलिस ने रास्ता बन्द कर रखा है। स्पीकर साहब, एम0एल0एज0 साहेबान गवर्नर साहब का ऐड्रेस सुनने के लिये और सत्र में भाग लेने के लिये आयें ओर पुलिस हमारा रास्ता बन्द करे यह हमारे राइटस की इन्क्रोचमेंट हैं पुलिस द्वारा हमारा रास्ता बन्द करना क्या यह डैमोक्रेसी है? हमें रोकने का यह क्या तरीका हुआ? स्पीकरसाहब, मेने इस सम्बन्ध में प्रिविलेज मो ान का नोटिस भी दिया है।

श्री अध्यक्षः मैं उसे देख लूंगा।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 18 के अनुसार मैने यह सूचना देनी है कि कांस्टीच्यु ान के आर्टिकल 176 (1) के अधीन राज्यपाल महोदय ने आज 7 मार्च, 1983 को 2. 00 बजे बाद दोपहर हरियाणा विधान सभा के समने ऐड्रेस देने की बात की। ऐड्रैस की एक कापी टेबल आफ दी हाउस पर रखी जाती है।

''अध्यक्ष महोदय तथा माननीय सदस्यगण

नये वर्श में हरियाणा विधानसभा के पहले सत्र के अवसर पर आप सबका स्वागत करते हुये मुझे अतयन्त प्रसन्नता हो

रही है यह नई विधान सभा का पहला बजट सत्र भी है। मुझे आ ाा है कि सत्र के दौरान आप बहुत ही उपयोगी विचर विम र्ा औरी विधायी कार्य करेगें, जिससे कि राज्य के लोगों को बहुत लाभ होगा।

वर्श 1982 में विकास गतिविधियों के प्रत्येक क्षेत्र मे अनेक योजनाओं को सफलता से पूरा किया गयाहै, बावजूद इसके कि राज्य को कुदरती मुसीबतों का सामना करना पडा था। पिछले वर्श के आरम्भ में ही, राज्य के 11 जिलों में ओले पउे, जिससे 6.85 लाख एकड फसल के अधीन क्षेत्र प्रभावित हुआ होर इसके कारण लगभग 170 करोड रूपयें की हानि हुई। मेरी सरकार ने भूमि जोत कर ओर आबियाना में छूट देने थोडी अवधि के सहकारी कर्जो को दरम्यानी अवधि के कर्जों में बदलने ओर तकावी कर्जो की वसूली को मुलतवी करने के अतिरिक्त 14.49 करोड रूपये की अनुग्रह राहत की तुरनत स्वीकृति दी। इससे किसनों के कश्टों में काफी हद तक कमी हुई। हम ओलावृश्टि के असर से संभल नहीं पाये थे कि 1982 की खरीफ के दौरान लगातार चौथा वर्श भी सूखे की लपेट में आ गया। कुल 12 में से 7 जिले सूखे से प्रभावित हुए। सरकार ने सूखे से प्रभावित किसानों की भूमि जोत कर तथा आबियाना मैं वि ोश छूट देकर सहायता पहुंचाई राज्य के साधनों की स्थिति बहुत तंग होने के कारण भारत सरकार को एक ज्ञापन 83.35 करोड़ रूपये की केन्द्रीय सहायता के लिये भेजा गया था, जिसके अधार पर 11.62

करोड़ रूपये की सहायता प्राप्त की जा चुकी है और यह सम्बन्धित विभागों को सूखे से प्रभावित जिलों के लोगों की सहायता पहुंचाने के लिए सौप दी गई है। यह रा ि ा फसल की कमी को पूरा करने के लिए, ज्यादातर उत्पउदन बढ़ाने तथा ग्रामीण निर्धनों के लिए रोजगार जुटाने के लिए, खर्च की जा रही है।

मेरी सरकार की मूल कार्यनीति यह रही कि विकास की गति को बढ़ाया जाए और समाज के सभी वर्गों के लिए रोजगार के नये अवसर जुटाए जाएं। प्रत्येक अनुगामी वर्श में योजना उपबंध में काफी वृद्धि करना लोगों की अधिकाधिक भलाई करने के हमारे नि चय का पर्याप्त प्रमाण है। तदनुसार वर्श 1983–84 के लिए हमारा योजना खर्च 406.59 करोड़ रूपये नि ि चत किया गया है जो कि वर्तमान वर्श के 320.7 करोड़ रूपये के खर्च से 26. 8 प्रति ात अधिक है।

हमारे समूचे विकास प्रयत्नों की मार्गद र्ानी प्रेरणा प्रधान मंत्री जी का नया 20 सूत्री कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम से सम्बन्धित विकास के सभी क्षेत्रों में हमने आ ाातीत प्रगति की है। मैं इन सभी तथ्यों पर तब प्रका ा डालूंगा जब मैं दूसरे विभागों की गतिविधियों के बारे में आपको बताऊंगा। आगामी वर्श में भी 20 सूत्री कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर बल दिया जायेगा। हमारी योजना का 80 प्रति ात खर्च कवेल इसी कार्यक्रम के लिए रखा गया है। 20 सूत्री कार्यक्रम के मार्गद र्ान तथा उसकी प्रगति पर निगाह रखने के लिए की गई

है। प्रत्येक मास प्रगति की समीक्षा करने तथा अन्तर्विभागीय तालमेल को सुनि ित करने और प्रगति को तेज करने के उपाय सुझाने के लिए प्र ाासकीय सचिवों की एक समिति स्थापित की गई है। जिलावार लक्ष्य नि ित किये जा चुके है और अब ब्लाक अनुसार लक्ष्य तैयार किये जा रहे है। आयुक्त तथा उपायुक्त नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा कर रहे है। उप मण्डल स्तर पर भी एक समीक्षा समिति स्थापित की जा रही है। सभी स्तरों पर समीक्षा समितियों में काफी गैर सरकारी प्रतिनिधी है, जिनमुं विधान सभा सदस्य, अनुसूचित जातियों, पिछडे वर्गो तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि भाामिल है।

चूंकि हरियाणा मूलतः कृशि प्रधान राज्य है, इसलिए मेरी सरकार कृशि के विकास और कृशि उत्पादन में अधिक से अधिक वृद्धि करने की सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। वर्श 1982–83 को उत्पादन वर्श घोशित किया गया था और खाद्यान्नों का उत्पादन लक्ष्य 71.4 लाख टन नि ित किया गया था। परन्तु इस वर्श राज्य में असामान्य मौसम की स्थिति रही। मानसन के देर से आने के कारण खरीफ की फसलों, वि ोशतः धान की बुवाई में गम्भरी रूकावटें पैदा हुई। तथापि, बिजली और सिंचाई के पानी के उचित प्रबन्ध से और वैज्ञानिक कृशि उपायों जैसे प्रमाणित बीजों की बढ़ी हुई उपलब्धता, रासायनिक खादों का अधिकतर प्रयोग, पौधा संरक्षण के बेहतर तरीकों से राज्य सरकार कृशि उत्पादन में बहुत अधिक गिरावट का `रोकन में समर्थ रही है।

आ ाा की जाती है कि इस वर्श के दौरान खाद्यान्नों का कुल उत्पादन वर्श 1981–82 के 60.57 लाख टन के मुकाबले 66.28 लाख टन के स्तर तक पहुंच जाएगा। वर्श 1983–84 का लक्ष्य 75. 25 लाख टन नि चत किया गया है और गन्ने का गुड़ के रूप में 7 लाख टन नि चत किया गया है। सब्जियों और फलों के उत्पादन पर विशे ा ध्यान देने का प्रस्ताव है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत बंजर क्षेत्रों में खास तौर पर तिलहन और दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए वि ोश उपाय किये जा रहे है। अम्बाला, गुडगांव तथा महेन्द्रगढ़ के अर्ध पर्वतीय क्षेत्रों में पहली बार अनेक इंटेग्रेटिड वाटर भौड मैनेजमेंट स्कीमें (समेकित पनढाल प्रबन्ध योजनाएं) भुरू की जा चुकी है। इन योजनाओं का उद्दे य भू–सरक्ष को रोकना तथा बांध बना कर बाढ़ के पीन को काम में लाना है और खोदे गए तालाबों का निर्माण करके भू जल को पुनरावर्तित करना है। किसानों को बेहतर आमदनी देने के लिए नियमित मंडियों का होना बहुत आव यक है। राज्य कृशि मार्केटिंग बोर्ड ने वर्तमान 41 मंडियों में अतिरिक्त सुविधाएं जुटाने के साथ साथ 128 अनाज मंडियों तथा 14 फल मंडियों के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया है। ये मंडियां वि व बैंक परियोजना के अधीन विकसित की जाने वाली 26 मंडियों के अलावा है। सामाजिक न्याय को सुनि चत बनाने के लिए मंडियों के 10 प्रति ात बूथ अनुसूचित जातियों के सदस्यों के लिए तथा इतने ही भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित किये गए है।

हरियाणा कृशि वि वविद्यालय, हिसार दे ा में अपनी तरह की एक प्रमुख संस्था है। यह कृशि और प ाु चिकित्सा के अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार कार्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इसके द्वारा प्रयोग ाला से भूमि तक कार्यक्रम के अधीन आधुनिक तकनीक और अनुसंधान को राज्य के सभ किसानों, वि ोशकर छोटे और सीमान्त किसानों तक पहुंचाया जाता है। हरियाणा कृशि उद्योग निगम, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम, हरियाणा बीज निगम तथा राज्य बीज प्रमाणन अभिकरण और हरियाणा वेयरहाऊसिंग निगम सभी अन्न के अधिक उत्पादन और संरक्षण के कार्य में लगे हुए हैं।

मेरी सरकार राज्य में क्षेत्रीय असमानताओं के प्रति जागरूक है। परिणामतः लगातार सूखे के ि ाकार बंजर क्षेत्रों के विकास की ओर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। सूखे के ि ाकार होने वाले क्षेत्रों के कार्यक्रम और मरूस्थल विकास कार्यो के अधीन वर्श 1983–84 के लिए 4.04 करोड़ रूप्ये सामान्य विकास कार्यों के अतिरिक्त रखे गये हैं। इसमें से आधे खर्च का भार केन्द सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। छोटे तथा सीमान्त किसानों, कृशि तथा गैर कृशि मजदूरों, ग्रामीण कारीगरों और ि ाल्पकारों की कमजोर आर्थिक स्थिति पर भी मेरी सरकार का पूरा ध्यान रहा है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम का विस्तार राज्य के सभी ब्लाकों तक कर दिया गया है तथा जनवरी 1983 तक 38000 परिवारों को इससे लाभ पहुंचा है जिसमें 20461

अनुसूचित जाति से सम्बन्धित परिवार भी भाामिल है। वर्श 1983–84 के लिए प्रति ब्लाक आबंटन 6 लाख रूपये से बढ़ाकर 8 लाख रूपये प्रति ब्लाक कर दिया गया है। इस कार्यक्र में 7.26 करोड़ रूपये की रा ि ा बराबर के आधार पर केन्द्र द्वारा भी दी जाएगी। हमारा प्रयत्न होगा कि अनुसूचित जातियों तथा पिछडे वर्गों से सम्बन्धित परिवारों को इसके अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा लाया जाए।

मेवात विकास बोर्ड ने भी इस पिछडे क्षेत्र को राज्य के भोश क्षेत्र के सामान बनाने के लिए अपने प्रयत्न तेज किए है। सामान्य विभागीय कार्यक्रमों के अतिरिक्त वर्श 1982–83 में लगभग 40 वि ोश योजनाओं पर 2 करोड़ रूपये खर्च किये जा चुके है। अगले वर्श के लिए योजना उपबन्ध बढ़ा कर 2.2 करोड़ रूपये कर दिया गया है।

चूंकि यहां भूमि सामान्यता भाुश्क तथा अर्ध भाुश्क है, इसलिए अधिक कृशि उत्पादन के लिए सिंचाई आव यक है। अतः सरकार ने 20 सूत्री कार्यक्रम के दृश्टिगत सिंचाई के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। धरातल पर मिलने वाले पानी और भूमिगत पानी, दोनों ही साधनो ंको प्रयोग में लाया जाएगा। वर्तमान वितीय वर्श के दौरान सिंचाई क्षमताओं को 80000 हैक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य का 73 प्रति ात भाग पूरा किया जा चुका है। भोश लक्ष्य इस वर्श के अन्त तक पूरा कर लिया जाएगा। हम नहरों तथा रजवाहों की लाइनिंग करके तथा

उनको सुधार कर आधुनिक बनाने का प्रयत्न कर रहे है। वि व बैंक की सहायता से पूरी की जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना के बारें में सभी सदस्य जानते हैं। हम पहले ही 25.7 करोड़ वर्ग फुट नहरों तथा रजवाहों और 1.93 करोड फुट लम्बे जलमार्गो की लाइनिंग कर चुके है। अब उपलब्ध जल का केवल एक साधन, जो कि अीाी प्रयोग में लाया जाना है, रावी ब्यास जल में हमारा हिस्सा है, जिसके लिये योजक नहर का निर्माण कार्य पंजाब के क्षेत्र में आरम्भ किया जा चुका है। इस सम्बन्ध में 20.5 करोड़ रूपये की रा ि ा पंजाब सरकारको दी जा चुकी है। इसका कार्य प्रगति पर है। मुझे आ ाा है कि यह कार्य अनुबन्ध में निर्धारति समझौते के अनुसार समय में पूरा हो जायेगा। मुझे सदस्यों को यह सूचित करते हुए हर्श है कि राजय सरकार ने वि व बैंक के साथ सिंचाई परियोजना के दूसरे चरण के बारे में सफलापूर्वक बात की है। इस परियोजना में निर्माण कार्य पर अगले चार वर्शों में 234.6 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

जैसा कि आप सब जानते है, वर्तमान ताजेवाल बांध राज्य के लिए चिन्ता का विशय बना हुआ है तथा हम नया बांध बनवाने पर जोर डाल रहे हैं। मुझे आपको यह बताते हुए हर्श है कि इसका तकनीकी पैरामीटर निर्धारित करने के लिए भारत सरकार द्वारा वि ोश रूप से बनाई गई समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में प्रस्तुत कर दी है। बांध के निर्माण का काम निकट भविश्य में भाुरू होने की सम्भावना है। इस परियोजना के मुकम्मल

हो जाने से सिंचाई की वृद्धि होगी तथा बाढ़ संकट कम होने से हरियाणा तथा उत्तर प्रदे ा दोनों राज्यों को लाभ होगा।

कृशि तथा औद्योगिक पैदावार की वृद्धि द्वारा राज्य की आर्थिक द ाा को और उन्नत करने में बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका के दृश्टिगत बिजली की सप्लाई को हमे ाा ही सर्वाधिक महत्व दिया गया है। वर्श 1983–84 के लिए योजना खर्च का प्रमुख भाग 135.15 करोड़ रूपये बिजली के विकास के लिए नियम किया गया है। 165–165 मेगावाट के दो संयंत्र देहर में तथा 60–60 मैगावाट के दो संयंत्र पोंग में लगाने का काम पूरा कर लिया गया है। यह अतिरिक्त बिजली, आगामी, महीनों में, वि ोशतः धान की फसल के दौरान राज्य को उपलब्ध होगी, जबकि कृशि के क्षेत्र में इसकी मांग अपने ि ाखर पर होगी। ताप बिजली परियोजना पानीपत के दूसरे और तीसरे चरणों का काम और तेज कर दिया गया है तथा इन दोनों चरणों के क्रम ाः 1984–85 तथा 1985–86 के अन्त तक, मुकम्मल होने की सम्भावना है। इससे बिजली के वर्तमान उत्पादन में 430 मैगावाट की वृद्धि होगी।

बिजली की सदा बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए दीर्घावधि आधार पर एक उत्पादक योजना सोची गई है। 210–210 मैगावाट के दो संयंत्रों वाली यमुनानगर ताप परियोजना के प्रथम चरण को केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण का तकनीकी आर्थिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। योजना आयोग से अनुमति

पत्र भी भीघ्र मिलने की आ ाा है। आपको सम्भवतः विदित है कि राज्य, लागत में अपने 50 प्रति ात अं ादान तथा बिजली लाभ में 42 प्रति ात भाग के आधार पर 1020 मैगावाट नाथपा झाकड़ी पन बिजली अन्तर्राज्यीय परियोजना में भाामिल है। उपर्युक्त दोनों परियोजनाओं पर प्रारम्भिाक कार्य भाुरू किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त दादूपुर तथा खेड़ी बरौटा में दो लघु जल परियोजनाओं की योजना बना कर केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण को प्रस्तुत कर दी गई है।

बिजली के उत्पादन के साथ साथ उसके सम्प्रेशण तथा वितरण की ओर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है। राज्य बिजली बोर्ड ने फरीदाबाद, अम्बाला छावनी तथा ताउडू के 66किलोवाअ सब स्टे ानों के अतिरिक्त पानीपत, जीवन नगर तथा थाना में 132 किलोवाट सब स्टे ानों को चालू कर दिया है। इनके अलावा चार 1320 किलोवाट सब स्टे ानों तथा चार 66 किलोवाट सब स्टे ानों का विस्तार कर दिया गया है। 1982 में 65000 से अधिक सामान्य कनैक ान, 3000 से अधिक औद्योगिक कनैक ान तथा 12400 से अधिक नलकूप कनैक ान दिसम्बर मास तक दे दिए गए थे। 1983–84 के दौरान इन वर्गों को क्रम ाः 60000 और 4000 तथा 17000 कनैक ान दिये जाने की आ ाा है।

यह बड़े सन्तोश का विशय है कि आज हरियाणा केन्द्रीय भण्डार में गेहूं तथा चावल के प्रमुख अं ादाताओं में से है। 1982–83 की रबी के दौरान 12.61 लाख टन गेहूं प्राप्त करके

केन्द्रीय भण्डार में दिया गया जबकि पिछले वर्श के दौरान 11.21 लाख टन गेहूं प्राप्त करके दिया गया था। इसी प्रकार फरवीर, 1983 के मध्य तक 6 लाख टन से अधकि चावल प्राप्त करके केन्द्रीय भण्डार में दिया गया है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत उपभोग की जरूरी वस्तुओं के वितरण की प्रणाली को व्यवस्थित रूप दे दिया गया है। वर्श भर में 21 उचित दाम की अतिरिक्त दुकानें खेलने का लक्ष्य तो पूरा कर ही लिया गया है, बल्कि इससे अधिक 50 दुकानें और भी खोल दी गई है। इसके अतिरिक्त दूर दराज इलाकों के लोगों को उनके घर द्वार पर जरूरी वस्तुएं उपलब्ध करवाने के लिए 144 चलती फिरती उचित दाम की दुकानें भी खोली गई है। उपभोग की इन जरूरी वस्तुओं के व्यापारियों के ऊपर कड़ा नियन्त्रण रखा जा रहा है ताकि वे समाज विरोधी साधन न अपनाएं।

मेरी सरकार ने सहकारी आन्दोलन की ओर भी अपेक्षित ध्यान दिया है। इस आन्दोलन का अभिप्राय प्रजाताकित्रक ढंग से आर्थिक विकेन्द्रीकरण करना तथा एक को अनेक की भाक्ति प्रदान करना है। इसने राज्य में कमजोर वर्गों के स्तर को ऊंचा उठाने तथा ऋण की उपलब्धि, कृशि इनपुटों की सप्लाई तथा कृशि उपज की मार्केटिंग द्वारा पैदावार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राथमिक सहकारी ऋण समितियों ने 30 जून, 1982 तक 151.46 करोड़ रूपये की राि ा अल्पावधि तथा मध्यावधि ऋणों के रूप में दी जबकि पिछले वर्श यह राि ा 124.74 करोड़

रूपये थी। कृशि के प्रयोजनों के लिए सदस्यों की अधिकतम ऋण सीमा 10000 रूपये से बढ़ा कर 15000 रूपये कर दी गई। सहकारी आन्दोलन की गतिविधियों के क्षेत्र का विविधीकरण कर दिया गया है तथा अब डेरी फार्मिंग, गृही निम?ार्ण तथा उद्योग आदि भी इसके अधीन आ गये हैं। सहकारी क्षेत्र में 3 चीनी मिलें जीन्द, भााहाबाद और पलवल में स्थापित की जा रही है। सहकारी भूमि विकास बैंक ने नलकूपों के लिए 2 करोड़ रूपये तथा प्राथमिक सहकारी ऋण समितियों ने ग्रामीण कारीगरों को 3.88 करोड़ तथा भूमिहीन मजदूरों और छोटे दुकानदारों को 10.25 करोड़ रूपये के ऋण दिये है।

ग्रामीण क्षेत्र को आर्थिक आत्मनिर्भरता देने के लिए अकेली खेती बाड़ी काफी नहीं है। इसके साथ साथ प ाुपालन, डेरी फार्मिग तथा मछली पालन को भी उन्नत करना आव यक हैं। प ाुधन के सुधार के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। वर्श 1983–84 के दौरान प ाुओं के रोगों की रोकथाम के लिए एक केन्द्रचालित योजना भाुरू की जाएगी। इन दो वर्शे के दौरान 500 एकड का एक चारा बीज फार्म तथा 100 प ाु पालन केन्द्र स्थापित किये जा रहे है। इन योजनाओं से हमारे गांवों के कमजोर वर्गों को वि ोश रूप से लाभ पहुंचेगा। ग्रामीण निर्धनों के लिए मछली पालन आमदनी का बहुत बड़ा साधन हो सकता हैं छठी योजना के दौरान मछली पालन के विकास के लिए 195 लाख

रूपये की रा ि ा निर्धारित की गई है। इस रा ि ज्ञ में से वर्श 1983–84 के लिए 105 लाख रूपये की रा ि ा नियत की गई है।

मैं यह मानता हूं कि राज्य में राश्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में वनों के महत्व को देरी से पहचाना गया। पिछले चार वर्शों में मेरी सरकार इस कमी को पूरा करने का प्रयत्न कर रही है। इस कार्यक्रम को गति देने के लिए ही नवम्बर, 1982 में मेरी सरकार द्वारा वन विकास बोर्ड की स्थापना की गई है। वन विकास नीति नये 20 सूत्री कार्यक्रम का भी एक महत्वपूर्ण अंग है। अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जोर से पौध रोपण तथा वन साध्नों के विकास का कार्य यिका जाएगा। चालू वर्श के दौरान पौधे लगाने का लक्ष्य लगभग दुगुना कर दिया गया है। वर्श 1982–83 के दौरान कुरूक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, गुड़गांव और महेन्द्रगढ़ जिलों की 2500 हैक्टेयर बंजर भूमि में पौध रोपण कार्य पूरा हो चुका है और ईंधन की लकड़ी की निरन्तर सप्लाई के लिए छोटे किसानों को 62.5 लाख पौधे बांटे जा चुके है। महेन्द्रगढ़, भिवानी, रोहतक, हिसार और सिरसा के मरूस्थल से प्रभावित जिलों में भूमि की उत्पादकता को सुधारने और प्रादे ि ाक जलवायु को अनुकूल बनाने के लिए वायु रोध और भौल्टर बैल्ट्स बनाने, चरागाह–विकास, सामुदायिक तथा पंचायत भूमि पर वनरोपण का वि ोश कार्यक्रम अमल में लाया जा रहा है। 1980–81 में लगाए गए 1.59 करोड़ पौधों के मुकाबले में मेरी सरकार ने इस संख्या को बढ़ा कर 1981–82 में 6 करोड़ और चालू वर्श के दौरान साढ़े

आठ करोड़ कर दिया है। आगामी वर्श के लिए लक्ष्य 10 करोड़ पौधों का है। सभी 12 जिलों में 67000 हैक्टेयर भूमि पर पौधे लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों को ईंधन की लकडी की सप्लाई को बढाने के मूल उद्दे य से वर्श 1982–83 के दौरान वि व बैंक की सहायता से सामाजिक वानिकी परियोजना भुरू की जा चुकी है। इस परियोजना पर 33 करोड़ रूपये खर्च होंगे। इस परियोजना से अनुमानतः 1.7 करोड़ श्रम दिवसों का मौसमी रोजगार मिलेगा और 5 वर्शों में 1420 स्थायी नौकरियों के पद बनेंगे।

कृशि उपज को बढ़ाने के प्रयत्नों के साथ साथ मेरी सरकार ने इस बात का ध्यान रखा है कि औद्योगिक विकास पर भी उचित ध्यान दिया जाए। हरियाणा वित्त निगम चालू वित्त वर्श के दौरान फरवरी, 1983 तक 530 औद्योगिक इकाइयों को 27.55 करोड़ रूपये की वितीय सहायता की स्वीकृति दे चुका है। इसमें से एक तिहाई से अधिक रा ि ा की स्वीकृति पिछड़े क्षेत्रों को दी गई है। इसी प्रकार हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम 40 यूनिटों को 18.11 करोड़ रूपये की आवधिक ऋण सहायता की स्वीकृति दे चुका है। इसमें से 8.11 करोड़ रूपये पिछडे क्षेत्रों के 15 यूनिटों को दिये गए है। ग्राम उद्योगीकरण योजना को अत्यधिक प्राथमिकता दी जा रही है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अधीन वर्श 1982–83 के दौरान 7500 इकाइयसां स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से 6913 इकाइयों की स्थापना जनवरी, 1983 तक की जा चुकी ह। लगभग 21000 लोगों को

रोजगार मिला है। विदे ाों मे रहने वाले भारतीयों के पूंजी निवे ा को आकर्शित करने के लिए उद्योग सहायता वर्ग (आई.ए. जी.) द्वारा किये गये प्रयत्नों के परिणामस्वरूप हुड्डा और एच.एस. आई.डी.सी. को औद्योगिक प्लाटों के लिए लगभग 750 आवेदन पत्र प्राप्त हो चुके हैं और लगभग 250 आ ायपत्र पहले ही जारी किये जा चुके है। चालू वर्श के दौरान हरियाणा की एक बहुत बड़ी उपलब्धि पंचकूला में भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड की 21 करोड़ रूपये की इलैक्ट्रानिक परियोजना प्राप्त करना है। इसके लिए लगभग 58 एकड़ भूमि उद्योग विभाग द्वारा निः ाुल्क अलाट की गई है।

भारत सरकार द्वारा हरियाणा में तेल भाोधक कारखाने की स्थापना के निर्णय के बारे में आपको सूचित करते हुए मुझे हर्श अनुभव हो रहा है। पानीपत के नजदीक गांव बहौली के पास एक स्थ्ल इस आ ाय से चुन लिया गा है। इस कारखाने की प्रस्तावित क्षमता 60 लाख टन प्रति वर्श होगी। इस पर 800से 900 करोड रूपये के बीच लागत आने का अनुमान है। आ ाा है कि इससे लगभग 2000 व्यक्तियों को सीधे तौर पर रोजगार मिलेगा।

मेरी सरकार उच्चतर उत्पादकता के लिए प्रौद्योगिकि के आधुनिकीकरण को प्राप्त करने की इच्छुक है। भविश्य की प्रौद्योगिकी को उन्नत करने के लिए वर्श 1982 के दौरान इलैक्ट्रानिक्स विकास निगम की स्थापना की गई है। विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी का एक नया सम्पूर्ण विभाग बना दिया गया है। हम

ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों के विकास तथा वृद्धि में जुटे हुए हैं। बायोगैस प्लांट को चालू करने के बारे में कार्य, अभियान स्तर पर भुरू किया गया है। सौर ऊर्जा की अत्यधिक क्षमता को भी उपयोग में लाने के प्रयास हो रहे है। हमारे प्रयत्नों का उद्दे य अधिक उत्पादन, उच्चतर रोजगार साधन तथा संतुलित क्षेत्रीय विकास प्राप्त करना है

वर्श 1982 उत्पादकता वर्श के रूप में मनाया गया। उत्पादन को अधिकतम बढ़ाने के प्रधान मंत्री के आह्वान पर हरियाणा के श्रमिक वर्गों का काम सराहनीय था। वर्श 1981– में 24603 कामगरों को प्रभावित करने वाली 96 हड़तालों ओर तालाबन्दियों के मुकाबले में 1982 में इन हड़तालों की संख्या कम होकर 64 रह गई जिनसे केवल 10843 कामगर प्रभावित हुए। इसी अवधि के दौरान नश्ट हुए श्रम दिवसों की संख्या 9.56 लाख से घट कर 2.3 लाख रह गई। 20 सूत्री कार्यक्रम की भावना के अन्तर्गत, सामाजिक न्याय को सुनि चत करने के लिए निम्नतम मजदूरी की दरों में काफी सुधार किया गया।

रोजगार के क्षेत्र में नौकरियसों की कमी के कारण अपना काम भुरू करने पर अधिक जोर दिया जा रहा है। जिला ग्राम विाकस एजेंसियों के अतिरिक्त, उद्योग औद्योगिक प्र ि ाक्षण तथा रोजगार विभाग, अपना काम भुरू करने की योजनाओं पर अधिक बल दे रहे है। संस्थानिक वित्त विभाग द्वारा यह सुनि चत किया जा रहा है कि कृशि के अतिरिक्त उद्योग तथा

व्यापार के लिए भी ग्रामीण उद्यमकर्ता का कम दरों पर उसके घर के नजदीक ही ऋण उपलब्ध हो। चालू वर्श के दौरान, ऐलनाबाद, उकलाना मंडी तथा समालखा में तीन ग्राम रोजगार कार्यालय तथा इसराना में एक उप रोजगार कार्यालय खोला गया है। नूह में एक वि ोश व्यवसाय निर्दे ान तथा रोजगार सूचना इकाई खोली गई है। वर्श 1983–84 में ओद्योगिक क्षेत्रों में चार रोजगार विका इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है जो विकलांगों, अनुसूचित जातियों तथा समाज क अन्य कमजोर वर्गों को रोजगार दिलाएंगी। यू.एन.डी.पी./आई.एल.ओ. के अन्तर्गत फरीदाबाद में पहले से चल रहे उच्च व्यवसाय प्र िाक्षण और केन्द्र हिसार में खोलने का भी प्रस्ताव हैं

ि ाक्षा पर किया गया व्यय सामाजिक दृश्टि से सर्वोपयोगी निवे ा है। मेरी सरकार इसके प्रति सजग रही है तथा इस क्षेत्र को, वि ोशतः इसके प्राथमिक स्तर को उचित पहल दी गई है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत 6–11 आयु वर्ग के बच्चों के, वि ोशतः लड़कियों तथा अनुसूचित जातियों एवं पिछडी श्रेणियों के बच्चों के दाखले की ओर वि ोश ध्यान दिया गया है। 550 एक अध्यापकीय विद्यालयों को ऐसे द्वि–अध्यापकीय विद्यालय बनाने के प्रयत्न किए जा रहे है, जिनमें एक अध्यापक महिला होगी। इससे प्राथमिक ि ाक्षा की ओर अधिक से अधिक लड़कियां आकर्शित होंगी। अनेक अन्य प्रोत्साहनो के अतिरिक्त हरिजन लड़कियों को मुफ्त वर्दियां देने के लिए 13.12 लाख रूपए का

तथा उन्हें उपस्थिति पुरस्कार देने के लिए 48 लाख रूपए का उपबन्ध यिा गया है। स्कूलों का दर्जा बढ़ाने की मांगों तथा दाखले में वृद्धि से प्रकट लोगों के उत्साह को देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता है। वर्श के दौरान 200 प्राथमिक विद्यालयों तथा 100 माध्यमिक विद्यालयों के दर्जों को बढ़ाकर उन्हें क्रम ाः माध्यमिक विद्यालय तथा उच्च विद्यालय बनाया गया है। इसी प्रकार छठी पंचवर्शी योजना में निर्धारित विद्यालयों का दर्जा बढ़ाने के लक्ष्य को इसी वर्श में प्राप्त कर लिया गया है। विद्यालय ि ाक्षा के अतिरिक्त अनौपचारिक ि ाक्षा तथा प्रौढ़ ि ाक्षा की ओर भी बहुत ध्यान दिया गया है। संख्या की अपेक्षा गुणात्मकता को अधिक महत्व देते हुए अध्यापकों के भौक्षिक स्तर को सुधारने के प्रयत्न किए गए हैं और इसके लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं और इसमें 3500 अध्यापकों ने भाग लिया। सप्ताह में दो पीरियड नैतिक ि ाक्षा के लिए नियत किए गए। पहली से आठवीं तक की कक्षाओं के पाठ्यक्रमों को पुनरीक्षित करके, राश्ट्रीय एकता जनसंख्या ि ाक्षा, सामाजिक मूल्यों तथा नैतिक उत्थान को पाठ्य अचर्या का भिन्न अंग बना दिया गया है।

उच्चतर ि ाक्षा के क्षेत्र में लड़कियों की ि ाक्षा पर अधिक जोर दिया गया है। कुरूक्षेत्र, बराड़ा तथा सोनीपत में महिला विद्यालय खोलने की मंजूरी दी गई है।

स्वस्थ समाज के विकास के लिए खेलें अनिवार्य है। इनसे नवयुवकों में मानसिक तथा भाारीरिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त

अनु ाासन, साहचर्य तथा नेतृत्व की भावनाओं का भी संचार होता हैं। मेरी सरकार को, खेलों की उन्नति के लिए किए गए प्रयासों पर गर्व है। दिल्ली में हुई नवी एि ायाइ खेलों में हरियाणा के पांच प्रसिद्ध खिलाड़ियों ने विजयश्री प्राप्त करके दे ा का नाम ऊंचा किया। जिला जीन्द के श्री चांद राम ने 20 किलोमीटर चलने की प्रतियोगिता में दे ा के लिए स्वर्ण पदक जीता, तथा एक नया रिकार्ड कामय किया। सिरसा के बहादुर सिंह ने गोला फेंकने में नए रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। जिला गुडगांव की कुमारी गीता जुत्सी ने 800 मीटर तथा 1500 मीटर की दौड़ों में रजत पदक जीते। जिला भिवानी के श्री गिरवर सिंह ने बाक्सिंग में रजत पदक जीता। महेन्द्रगढ़ के श्री सुरे ा यादव ने 1500 मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता। दे ा द्वारा जीते गए पदकों की संख्या में हरियाणा के महत्वपूर्ण योगदान को समूचे भारत ने सराहा है। इन नौजवान खिलाड़ियों के भाानदार प्रद र्ान की प्र ांसा करते हुए मुझे हर्श होता है। इनके अतिरिकत क्रिकेट के भाानदार युवक खिलाड़ी कपिल देव वैस्ट इंडीज में दे ा की टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। एक और होनहार खिलाडी अ ाोक मल्होत्रा को भारतीय टीम में भाामिल किया गया है।

चिकित्सा तथा स्वास्यि सुविधाओं के क्षेत्र में मेरी सरकार ने ग्रामीण तथा पिछड़े इलाकों की ओर वि ोश ध्यान दिया है। गांवों के लोगों को यकमुस्त रूप में स्वास्थ्य देख रेख सुविधा की व्यवस्था करने के लिए राजय के सभी जिलों में

बहुप्रयोजनी स्वास्थ्य योजना लागू की गई। इस योजना के अन्तर्गत 5000 जनसंख्या के पीछे एक पुरूश तथा एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की व्यवस्था की गई है। समूची जनता को लाभान्वित करने के उद्दे य से राज्य के सभी 89 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य गाईड योजना लागू की गई है इसका उद्दे य प्रति 1000 व्यक्तियों के लिए एक स्वास्थ्य गाईड उपलब्ध करना है। लगभग 8000 स्वास्थ्य गाईड ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही काम कर रहे है। हम जच्चा तथा ि ाशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने तथा क्षयरोग, कुश्इ रोग और अंधेपन के रोगों की रोकथाम के लिए पहले ही बहुत जोर दे रहे है। स्वास्थ्य के सुधार के लिए जनता का सहयोग अनिवार्य है। जब तक हम अपने घरों को साफ सुथरा तथा परिवारों को छोटा नहीं रखेंगे, बच्चे तथा माताएं स्वस्थ नहीं रह सकते। परिवार नियोजन में हरियाणा दे ा में सबसे आगे है। राज्य ने जनवरी 1983 के अन्त तक आनुपातिक लक्ष्य का 95 प्रति ात प्राप्त कर लिया हैं। मैं माननीय सदस्यों से तथा आपके माध्यम से राज्य की जनता से अनुरोध करूंगा कि वे इस कार्यक्रम को जन आन्दोलन के रूप में चलाएं।

20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत गांवों को पीने के पानी की सप्लाई मेरी सरकार का प्रमुख कर्तव्य रहा है। वर्श 1982–83 के दौरान 245 गांवों को जल सप्लाई की सुविधा देने के लिए 12.43 करोड़ रूपये का खर्च नियत किया गया था। यह लक्ष्य अब बढ़ा दिया गया है तथा आ ाा है कि त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई

कार्यक्रम के अन्तर्गत 2.73 करोड रूपये मिल जाने से तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा अग्रिम योजना सहायता के अन्तर्गत 2.53 करोड़ रूपये के विनिधान के परिणामस्वरूप इस वर्श के समाप्त होने से पहले 105 गांवों को जल सप्लाई की सुविधाएं प्राप्त हो जाएंगी। अगले वर्श 18.43 करोड़ रूपये की लागत से 365 और गांवों को यह सुविधा दिए जाने की आ ाा है।

राज्य ने प्रत्येक गांव को पक्की सड़कों से मिला कर दे ा में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है। अब हमारा प्रयास हरिजन बस्तियों को भी पक्की सड़कों के साथ जोड़ने का है। वर्श 1983–84 के दौरान तथा छठी योजना के भोश काल के लिए सरकार ने उन गांवों की हरिजन बस्तियों तक सड़कें पहुंचाने का निर्णय लिया है जहां हरिजनों की आबादी 50 प्रति ात है। वि व बैंक योजना के दूसरे चरण में 250 की आबादी वाले उन गांवों को भी सड़कों से मिला दिया जाएगा जो कि निर्दे िाका में प्रद ि ात नहीं है। इस वर्श के दौरान भोर ााह सूरी मार्ग को चार वीथी बनाने का काम दिल्ली–हरियाणा सीमा से मूरथल तक लगभग मुकम्बल कर लिया गया है। भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त होने पर इस मार्ग को चालू वर्श के दौरान 16 किलोमीटर आगे बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार समालखा, पिपली तथा भााहबाद के आबादी क्षेत्र में राश्ट्रीय राजमार्ग को चार वीथी बनाने का कार्य भाुरू किया जाएगा।

समाज कल्याण की ओर भी मेरी सरकार ने अपेक्षित ध्यान दिया है। हमने कमजोर वर्गों के लोगों, स्त्रीयों तथा बच्चों के कल्याण पर अधिक बल दिया है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अधीन समेकित ि ा ु विकास सेवाओं को बहुत प्रोत्साहन मिला है। वर्तमान 12 परियोजनाओं में 6 परियोजनाएं और बढ़ा दी गई हैं तथा अगले वित्तीय वर्श के दौरान 11 परियोजनाएं और प्रत्याि ात हैं। इस परियोजना के अन्तर्गत अनुपूरक पोशण, प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य जांच, पराम ीं सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं तथा पूर्व विद्यालय ि ाक्षा के रूप में यकमु त सेवाएं उपलब्ध की जाती है।

20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जातियों, पिछड़ी श्रेणियों और विमुक्त जातियों की उन्नति को, खास तौर पर उनकी ि ाक्षा और आर्थिक विकास के लिए, उच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्श के दौरान एक गृह निर्माण कार्यक्रम भी भ ारू किया गया। अनुसूचित जातियों के लोगों को अपने घर बनाने के लिए 2000 रूपये प्रति घर के हिसाब से सहायता दी गई। आवास बोर्ड द्वारा बनाए जा रहे ग्रामीण घरों में से 65 प्रति ात अनुसूचित जातियों को मिलेंगे। बराबरी और एकता को बढ़ावा देने के लिए ि ाकार हुए अनुसूचित जाति के सदस्यों को सहायता देने की एक योजना भी भ ारू की जाएगी। अनुसूचित जातियों के लिए एक वि ोश घटक योजना अमल में लाई जा रही है जिससे इन जातियों के सभी सदस्यों को जो गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन बिता रहे हैं, छठी योजना (1980–85) के पांच वर्शों के अर्से

में इस रेखा से ऊपर आने में सहायता दी जाएगी जबकि इस काम को पूरा करने का राश्ट्रीय लक्ष्य 10 वर्शों का है। हरियाणा हरिजन कल्याण निगम ने 5 करोड़ रूपये की अधिकृत पूंजी से अब तक 4. 16 करोड़ रूपये के ऋण 18853 हरिजनों में बांटे हैं ताकि वे व्यवसाय, व्यापार तथा उद्योग धंधे आरम्भ कर सकें। पिछडे वर्गों के कल्याण के लिए हरियाणा पिछड़ा वर्ग निगम पिछले दो वर्शों से कार्य कर रहा है और अब इसकी अधिकृत पूंजी दुगनी करके 4 करोड़ रूपये कर दी गई है। निगम का लक्ष्य 1.2 करोड़ रूपये की रा ि ा स्वीकृत करते हुए चालू वित्त वर्श के दौरान 3000 व्यक्तियों को लाभ पहुंचाना है। विभिन्न भौक्षणिक तथा व्यावसायिक संस्थाओं में दाखला लेने के लिए पिछडे वर्गों के आरक्षण का कोटा 5 प्रति ात से बढ़ाकर 10 प्रति ात कर दिया गया है। निर्धनों के आर्थिक उत्थान के लिए स्थापित किया गया निगम इस दि ाा में पथ प्रद र्ाक का कार्य कर रहा है।

ग्राम विकास को सफल बनाने की पूरी कोि ा ा के साथ साथ भाहरी क्षेत्र की ओर भी उचित ध्यान दिया गया है। राज्य में नियोजित भाहरी विकास में तेजी लाने के लिए, हरियाणा विकास प्राधिकरण द्वारा वर्श 1982–83 के लिए 92.1 करोड़ रूपयों के महत्वाकांक्षी अनुमान तैयार किए गए हैं जबकि इसके लिए पिछले वर्श का बजट केवल 26.53 करोड़ रूपये था। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आवासीय प्लाट और बने बनाये मकान अलाट करना हरियाणा विकास प्राधिकरण का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जोकि

20 सूत्री कार्यक्रम की भावना से प्रेरित है। इसी तरह आर्थिक आवासीय इकाइयां बनाने के लिए सहकारी गु्प आवासीय योजना चालू की गई है।

सरकार ने तेरह भाहरों के लिए समेतिक विकास परियोजनाएं तैयार की है। नागरिक सुविधाओं की ओर भी पूरा ध्यान दिया गया है तथा भाहरों की सफाई और सुन्दरता को बेहतर बनाने के काम को अभियान स्तर पर भाु रू किया गया है। मुख्य जोर पर्यावरण सुधार पर दिया गया है, जिसमें सुरक्षित पेयजल की सप्लाई, स्वच्छता को सुनि ि चत बनाने के लिए सीवरेज के पाईप डालना, गलियों में रो ानी का प्रबन्ध करना, सार्वजनिक फ्लै ा भाौचालय और मनोरंजन केन्द्र बनाना भाामिल है। 20 सूत्री कार्यक्रम के अधीन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को घर जुटाने और भाहरों की गंदी बस्तियों को सुधारने के लिए पहले से अधिक धन का विनिधान किया गया है। इसके लिए कार्य कु ाल नगर पालिका प्र ाासन की आव यकता है। इसलिए सुचारू रूप से काम चलाने के लिए स्थानीय निकाय निदे ाालय की स्थापना की गई है।

हरियाणा में पर्यटन की निरंतर बढ़ रही गतिविधियों को नया बल मिला है। वर्तमान पर्यटन काम्पलैक्सो के नवीकरण के साथ साथ जहां भी जरूरत महसूस की गई, पर्यटन काम्पलैक्सों का विस्तार किया गया है। बिक्री और लाभ के बढ़ते हुए स्तर को कायम रखा गया है। नवीं एि ायाई खेलों की नई चुनौती के

कारण 1982–83 का वर्श, हरियाणा पर्यटन विभाग के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। दिल्ली के विभिन्न खेल स्टेडियमों में व्यापक स्तर पर खाने पीने का प्रबन्ध तथा भव्य राज हंस होटल का निर्माण हरियाणा पर्यटक निगम के लिए दो चुनौतीपूर्ण प्रमुख कार्य थे, जिन्हें इस निगम ने सफलतापूर्वक पूरा किा है। लेकिन यह बात उललेख करने योग्य है कि हरियाणा पर्यटन निगम ने न केवल इस महान कार्य को पूर्ण किया, बल्कि सफलता का एक ऐसा उदाहरण रखा है जिससे निगम और इस महान राज्य के गौरव में वृद्धि हुई है। हरियाणा पर्यटन निगम ने राजहंस होटल के प्रमुख भाग का निर्माण लगभग दस मास के रिकार्ड समय में पूरा करवाकर इस होटल को आरम्भ किया। हरियाणा पर्यटन निगम ने नवीं एि ायाई खेलों के दौरान जो भाानदार काम करके दिखलाया है, उसकी वि ोश खेल आयोजन समिति और भारत सरकार ने भूरि भूरि प्र ांसा की है। दिल्ली में होने वाले गुट निरपेक्ष राश्ट्र सम्मेलन के दौरान एि ायाई गांव के कुछ भागों में खाने पीने का प्रबन्ध करने के लिए हाल ही में हरियाणा पर्यटन निगम को महान जिम्मेदारी सौंपी गई है। हरियाणा में पर्यटन सुविधाओं का और प्रसार करने के लिए राज्य में नए पर्यटन काम्पलैक्सों की स्थापना का कार्य संतोशजनक गति से चल रहा है। पर्यटन विभाग, अम्बाला, कैथल, नरवाना और डबवाली आदि स्थानों पर नए पर्यटन काम्पलैक्स स्थापित करने की योजना बना रहा है।

इस वर्श कानून और भाांति व्यवस्था तथा अपराधों की स्थिति भी बहुत संतोशजनक और काबू में रही। राज्य में पूरे तौर पर साम्प्रदायिक सद्भाव बना रहा। पुलिस ने अपराधों की रोकथाम के लिए सभी तरह के सम्भव निवारक साधन अपनाकर असरदार कदम उठाए। डकैतों, लुटेरों और चोरों के गिरोहों को पकड़ने में भाानदार सफलताएं प्राप्त की गई। महिलाओं और कमजोर वर्गों पर किए जाने वाले अपराधों को रोकने के लिए राज्य पुलिस द्वारा वि ोश ध्यान दिया गया। एि ियाइ खेलों की भाांतिपूर्ण समाप्ति को सुनिि चत बनाने के लिए पुलिस तथा प्र ाासन द्वारा की गई कार्यवाही प्र ांसनीय है।

राज्य सरकार अकालियों की क्षेत्रीय मांगों तथा अन्य मांगों पर, जिनका प्रभाव हरियाणा पर पड़ता है, केन्द्र सरकार तथा संसद के विपक्षी दलों से बातचीत करती रही है। इस विचार विम र्ा से हरियाणा के विपक्ष के नेता पूरे तौर पर सम्बन्धित रहे है। मैं आपको वि वास दिलाना चाहता हूं कि मेरी सरकार हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए, भले ही उनका सम्बन्ध इलाके से हो या रावी ब्यास में फालतू पानी के हिस्से से कोई कसर बाकी नहीं छोडेगी।

पिछले वर्श में मेरी सरकार द्वारा किए गए मुख्य कामों तथा नए वर्श के कार्यक्रमों और सम्भावनाओं की यह एक झलक मात्र है। मुझे पूरा वि वास है कि राज्य की जनता की भलाई के लिए किया जा रहा हमारा प्रयास सफल और उत्साहवर्धक सिद्ध

होगा। मुझे आ ाा है कि अपने विचार विम र्ा में आप जनता के प्रति अपने वायदों पर पूरा उतरने के लिए पूरी कोि ा ा करेंगे, उनकी समस्याओं की ओर ध्यान देंगे और उनके सामाजिक आर्थिक जीवन को ऊंचा उठाने के लिए यत्न करेंगे। मेरी कामना है कि आपके प्रयास सफल होंगे। जयहिन्द।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः अब एक मंत्री भाोक प्रस्ताव रखेंगे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन सर्वादय एवं भुदान आन्दोलन के पितामह आचार्य विनोवा भावे के 15 नवम्बर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा ाोक प्रकट करता हैं।

आचार्य भावे का जन्म 11 सितम्बर 1985 को महाराश्ट्र के गांव गगोड़ा में हुआ। उन्होनें 10 वर्श की आयु में ही ब्रहाचार्य का जीवन बिताने की प्रतिज्ञा की और अपना जीवन दे ा सेवा के लिये समर्पित कर दिया। वह 1916 में साबरमती आश्रम में चले आए और महात्मा गांधी जी ने उन्हें वर्धा में नये आश्रम का प्रमुख बनाया। इसके बाद उन्होनें पवनार में एक अन्य आश्रम बनाया।

आचार्य भावे एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। उनहें पहली बार 1932 में गिरफतार किया गया और 6 मास के लिये जेल भेज दिया गया। महात्मा गांधी ने 1940 में चलाये गये

नागरिक अवज्ञा आन्दोलन में उन्हें अपने पहले प्रतिनिधि के रूप में चुना गया। सत्याग्रह में भाग लेने के कारण उन्हें गिरफतार कियागया व तीन वर्श के लिये जेल भेज दिया गया। जेल से छूटने के प चात उन्होने फिर सत्याग्रह किा तथा 6 मास के लिये फिर बन्दी हो गये।

आचार्य भावे स्वाधीनता सेननयिों की पीढी के एक सन्त सेनानी थे जो भारत में समाज सुधार के प्रका ा स्तम्भ बने और जिन्होने 1951 में भूदान यज्ञ का श्रीगणे ा किया और गोहत्या के विरूद्ध स ाक्त अभियान का संचालन किया। उन्होनें 64 हजार से अधिक किलोमीटर की पद यात्रा की व भूमिपतियों से 60 हजार हैक्टेयर से भी अधिक भूमि प्राप्त की और भूमिहीनों में बांटी। उन्होनें ''ग्राम राज'' व सर्वोदय के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उन्होनें 1960 में मध्य प्रदे ा के दस्यु क्षेत्र भिंड व मुरैना जिलों में भाान्ति मि ान चलाया। आचार्य विनोबा भावे महात्मा गांधी के ऐसे सच्चे ि ाश्य थे जिन्होने अपना सारा जीवन गांधीवादी जीवन पद्धति, सत्य, अहिंसा और त्याग के लिये अर्पित कर दिया।

चौदह भाशाओं के ज्ञाता आचार्य विनोबा भावे ने हिन्दी व मराठी भाशाओं में कई पुस्तकें लिखी।

उनके निधन से दे ा एक ऐसी महान सन्त विभूति से वंचित हो गयाहै जिसने अपना सारा जीवन मानवता और वि ाशकर दलितों की सेवा में अर्पित कर दिया। सदन दिवंगत के

भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हैं।

यह सदन सोवियत संघ के राश्ट्रपति श्री लियोनिद इलीच ब्रेझनेव के 10 नवम्बर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री लियोनिद इलीच ब्रेंझनेव का जन्म 19 दिसम्बर, 1906 को युक्रेन राज्य के प्रसिद्ध इस्पात केन्द्र दनेप्रोदजेर–झिन्स्क में हुआ। उन्होने धातु विज्ञान सें इंजीनियरिंग में स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद स्थानीय इस्पात मिल में कार्य किया।

श्री ब्रेझनेव ने सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के जिला, राजय और केन्द्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और 1966 में वह पार्टी के प्रमुख बने। वह 1977 में सोवियत संघ के राश्ट्रपति बने। वह 16 वर्श तक सोवियत संसघ में कहत्वपूर्ण पदों पर रहे। इस अवधि में, सोवियत संघ ने आन्तरिक एवं वि व भाान्ति के लिये सहयोग की उदार नीति अपनाई।

राश्ट्रपति ब्रेझनेव वि व में आपसी तनाव को कम करने में गहरी रूचि रखते थे। उन्होने अपनी तरफ से एक –तरफा घोशणा करके कि वह आणविक हथियारों का पहले प्रयोग नहीं करेगें और उन्होने अन्तर्वती रेंज मिसाइलों के विस्तार पर प्रतिबन्ध लगाकार वि व तनाव को कम करने का प्रयत्न किया। पहली

'' ास्त्रीकरण सीमा सन्धि'' पर श्री ब्रेझनेव और अमेरिका के राश्ट्रपति श्री निक्सन ने मई 1972 में मास्कों में हस्ताक्षर किये थे। दूसरी सन्धि पर 1974 में सहमति हुई जिस पर राश्ट्रपति ब्रेझनेव व अमेरिका के तत्कालीन राश्ट्रपति श्री कार्टर ने वियाना में 5 साल बाद हस्ताक्षर किये। उन्होने अपने निधन से 3 दिन पूर्व ही क्रेमलिन में यह घोशणा की कि उनका दे ा निः ास्त्रीकरण और वि व में तनाव को कम करने के लिये काम करता रहेगा।

श्री खु चेव और श्री कोसिगिन के साथ श्री ब्रेझनेव भी सोवियत और भारत की मित्रता के ि ाल्पी थे। सोवियत संघ के सथ भारत की भाान्ति, मित्रता और आपसी सहयोगी की बीस वर्शी सन्धि पर भारत अैार सोवियत संघ ने नई दिल्ली में हस्ताक्षर किये थे।

उनके निधन से भारत ने अपना एक महान मित्र, सोवियत संघ ने अपना एक महान ि ाल्पी तथा वि व ने भाान्ति का एक महान समर्थक खो दिया हैं यह सदन दिंवगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों तथा सोवियत जनता से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व अध्यक्षा श्रीमती भान्नो देवी के 27 नवम्बर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्रीमती भान्नों देवी का जन्म 2 जून, 1902 को हुआ। उन्होनें स्नातक कन्या महाविद्यालय जालन्धर में अपनी ि ाक्षा पूरी करने के बाद 1919 में समाज सेवा का कार्य आरम्भ किया।

श्रीमती भान्नो देवी 1940 में पहली बार अविभाजित पंजाब की प्रान्तीय विधान सभा के लिये चुनी गई। उनहोने 1950 में पजंबा विधान सभा के उपाध्यक्ष पद पर कार्य किया और 1962 में पुनः पंजाब विधान सभा की उपाध्यक्षा चुनी गई और पंजाब के विभाजन तक वह इसी पद पर रही। तत्प चात उन्हें हरियाणा विधान सभा में आबंटित किया गया। वह दिसम्बर, 1966 में हरियाणा विधान सभा की पहली अध्यक्षा चुनी गई और 17 मार्च, 1967 तक वह इस पद को सु ाोभित करती रही।

श्रीमती भान्नों देवी 1920 से 1935 तक समाज कल्याण बोर्ड की सदस्या रही। उन्होने 1936 से 1940 तक हिन्दी दैनिक पत्रिका '' ाक्ति'' का संपादन किया। वह कन्या महाविद्यालय, जालन्धर की प्रिसिंपल रही।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, एक योग्य सांसद तथा एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता कीसेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्योंसे अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व राजयपाल श्री उज्जत सिंह के 15 फरवरी, 1983 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री उज्जल सिंह का जन्म 27 दिसम्बर, 1895 को जिला भााहपुर जो अब पाकिस्तान में है, के एक गांव हाडल में हुआ। लाहौर के गवर्नमेंट कालेज से स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद उन्होनें 1916 में इतिहास में एम0ए0 किया। इसके भाीघ्र बाद वह राजनीति मे आ गये और ि ारोमणि गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के संस्थापक सदस्य रहे। वह 1930 तक इसमें काम करते रहे।

श्री उज्जल सिंह ने पंजाब के सिख भाहरी निर्वाचन क्षेत्र से 1926 मे पजांब विधान सभा में प्रवे ा पकर अपने संसदीय जीवन का आरम्भ किया तथा वह 1956 तक विधान सभा में रहे। उनहोने 1937 से 1942 तक सर सिकन्दर हयात खान के मंत्रिमंण्डल में संसदीय सचिव (गृह) के पद पर कार्य किया, लेकिन 1942 के ''भारत छोड़ो आन्दोलन'' के दौरान उन्होने त्यागपत्र दे दिया। वह 1930 तथा 1931 में हुई पहली तथा दूसरी गोलमेज कान्फ्रेंस में ि ाश्टमंडल के सदस्य के रूप में चुने गये। उनहोने संघीय संरचना समिति व अन्य समितियों में कार्य किया। जब तत्कालीन वायसराय लार्ड विलिंगडन ने दोनो गोलमेज कांन्फ्रैसों के कार्यो को कियान्वित करने के लिये सुधार पराम र्ा समिति का गठन किया तो उनहें पुनः उस समिति में सदस्य के रूप में ले

लिया गया। कुछ साम्प्रदायिक फैसलों के विरोध में उन्होने 1932 में त्यागपत्र दे दिया।

श्री उज्जल सिंह ने 1932 में इलाहाबाद में हुये अखिल भारतीय एकता सम्मेलन में भाग लिया था। अक्तूबर 1945 में वह क्यूबेक में खाद्य एवं कृशि पर हुई यू0एन0 कांफ्रैस में भी भाामिल हुये। वह 1945 से 1949 तक केन्द्रीय ि ाक्षा पराम र्ा बोर्ड तथा अखिल भारतीय तकनीकी ि ाक्षा परिशद के सदस्य रहे।

श्री उज्जल सिंह 1946 में पंजाब संविधान सभा के सदस्य चुने गये। 1949 में वह पूर्वी पंजाब सरकार में खाद्य आपूर्ति एवं उद्योग मंत्री बने। वह 1952 में पुनः विधान परिशद के लिये चुने गये ओर 1956 तक वित्त तथा उद्योग मंत्री रहे वह जून 1956 से सितम्बर 1957 तक दुसरे वित्त आयोग के सदस्य भी रहे।

श्री उज्जल सिंह सितम्बर 1965 में पंजाब के राज्यपाल नियुक्त हुये तथा जून 1966 तक इस पद पर रहे। तत्प चात वह मद्रास के राज्यपाल बने।

श्री उज्जल सिंह उत्तरी भारत के चैम्बर आफ कामर्स के दो बार प्रेजीडेंट बने। वह भारतीय जीवन बीमा निगम, इन्टस्ट्रीयल केबलज (इंडिया) लिमिटिड हिन्दुस्तान हाउंसिग फैक्टरीज तथा नै ानल कोल डिवैलपमेंट कारपोरे ान जैसे कई महतवपूर्ण संस्थानों के निदे ाक व अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी राजनीतिज्ञ की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतंप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन आसाम के भूतपूर्व मुख्य मंत्री एवं पंजाब के भूतपूर्व राज्यपाल श्री महेनद्र मोहन चौधरी के 27 दिसम्बर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री चौधरी का जन्म 1908 में आसाम के जिला कारूप के बारपेटा उप–मंडल में नौगांव मे हुआ। श्री चौधरी ने ि ाक्षा गोहाटी में प्राप्त की। वहीं से उनहोनें ''लॉ की डिग्री'' प्राप्त की। वह 1936 में ''बारपेटा–बार'' में सम्मिलित हुये वह 1949 में वह आसाम हाई कोर्ट के वकील बन गये।

श्री चौधरी 1946 में आसाम विधान सभा के बारपेटा (दक्षिण) चुनाव क्षेत्र से निर्विरोध चुने गये । श्री चौधरी गोपीनाय बारदोली मंत्रीमंडल में उपमंत्री रहे। इसके बाद उन्हें कृशि, खाद्य ग्रामीण विकास तथा प्रचार विभागों के मंत्रीपद का कार्यभार सौंपा गया।

श्री चौधरी ने 1955–56 में आसाम प्रदे ा कांगैस कमेटी के प्रेजीडेंट बनने पर मंत्रीपद से त्याग–पत्र दे दिया। वह 1956–57 में अखिल भारतीय कांगै्रस कमेटी के महासचिव भी बनाये गये। उनहोनें 1958 में पुनः राजनीति में प्रवे ा किया और

उसी वर्श वह आसाम विधान सभा के उप–चुनाव में चुने गये। वह 1959 से 1967 तक विधान सभा के अध्यक्ष रहे।

श्री चौधरी आसाम मंत्रीमडल में मंत्री तथा आसाम कांग्रेस विधायक दल के उप नेता के पदों को कई वर्शों तक सु ाोभित करते रहे। नवम्बर 1970 से जनवरी 1972 तक वह आसाम के मुख्यमंत्री रहे। पंजाब के राजयपाल बनने से पूर्व वह राज्य सभा के सदस्य थे। उनहोनें 1973 से 1977 तक पंजाब के राज्यपाल पद को सु ाोभित किया।

श्री चौधरी का सम्बन्ध कई समाचार संगठनों से था तथा उन्होनें कई साप्ताहिक पत्रों का सम्पादन किया।

उनके निधन से दे ा गांधी जी के आद ार्ों के एक पक्के अनुयायी तथा एक प्रमुख सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक सहानुभुति प्रकट करता है।

यह सदन सयुंक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री चौधरी सूरज मल के 25 जनवरी, 1983 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

चौधरी सूरज मल का जन्म पहली जनवरी, 1901 को हुआ। हिसार व रोहतक में अपनी प्रारम्भिक ि ाक्षा पूरी करने के प चात उनहोने ला कालेज लाहौर से एल.एल.बी. की परीक्षा पास

की। 1925 में उनहोने हिसार में अपनी वकालत आरम्भ की । वह छः वर्श तक ''जिला बार ए ाोसिए ान'' के प्रधान रहे।

चौधरी सूरज मल ने 1928 में राजनीति में प्रवे ा किया। वह जिला बोर्ड हिसार के सदस्य तथा उप–सभापति चुने गये। उन्होनें कई बार इस बोर्ड के उप–सभापति के पद पर कार्य किया और वह 1954 तक इसके सदस्य रहे।

उन्होने 1928 से 1954 तक स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र में कार्य किया और वह कई बार इसके वाइस–चेयरमैन चुने गये।

चौधरी सूरज मल संयुक्त पंजाब में निजी संसदीय सचिव तथा संसदीय सचिव के पदों पर नियुक्त किये गये। वह 1937 से 1946 तथा 1946 से 1952 तक पंजाब विधान सभा के हांसी निर्वाचन क्षेत्र का तथा 1952 से 1954 तक पंजाब विधान परिशद के स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे। वह भारतीय संविधान सभा के सदस्य भी चुने गये। वह 1947 से 1948 तक भरतपुर रियासत के दीवन (मुख्यमंत्री) भी रहे। 1957 के आरम्भ में वह सयुंक्त पंजाब के मंत्री बने तथा उन्होने टोहाना निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

उनके निधन से दे ा किसानों के एक हितैशी और एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन

दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है।

यह सदन संसद सदस्य श्री पीलू मोदी के 29 जनवरी, 1983 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री मोदी का जन्म 4 नवम्बर, 1926 को बम्बई मे हुआ था। उन्होने अमेरिका के कैलीफोर्निया वि वद्यिालय से वास्तुकला में मास्टर डिग्री प्राप्त की। वर्श 1951 से 1953 तक उन्होनें श्री ला कबर्जजिये के साथ चण्डीगढ़ परियोजना पर कार्य किया।

श्री पीलू मोदी 1967 में गुजरात के गोधरा चुनाव क्षेत्र से लोक सभा के लिये चुने गये और 1971 में वह पुनः निर्वाचित हुये। अप्रैल 1978 में वह राज्य सभा के लिये चुने गये। वह संसद ओर उसके बाहर अपने हास्य–विनोद के लिये बहुत प्रसिद्ध थे।

श्री मोदी कासम्बन्ध कई राजनीतिक दलों से था। वह ''मार्च आफ दी ने ान'' साप्ताहिक पत्रिका के प्रबन्धक ट्रस्टी एवं सम्पादक भी रहै। उनहोने अपनी पुस्तक, ''जुल्फी माई फेंड'' लिख कर हलचल मचा दी। वह 1972 के ि ामला ि ाखर सम्मेलन से भी सकिय रूप से सम्बन्ध थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता है।

यह सदन संसद सदस्य प्रो. मुकन्द मंडल के 20 अक्तूबर, 1982 को हुये दुखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

प्रो. मुकन्द मंडल का जन्म 22 नवम्बर, 1947 को पि चमी बंगाल में गांव धनुर्हट में हुआ। वह अंचन हाई स्कूल बी. एस.कालेज, टेगराखली, गोयनका कालेज आफ कामर्स एंड बिजनैस एडमिनिस्ट्रे न, कलकत्ता व फकोरचन्द कालेज, डायंमड हारबर में पढे और एम.काम. व बी.एड. की। उनहोनें 24 परगनेां में ध्रूव चन्द हालदर कालेज में कामर्स के प्राध्यापक के रूप में कार्य किया।

प्रो. मंडल 1971 में पच्मिी बंगाल विधान सभा में तथा 1977 में व 1980 में लोक सभा के लिये चुने गये। उनहोने ग्रामीण क्षेत्रों में ि ाक्षा को बढावा देने व दलितों के उत्थान में गहरी रूचि ली।

प्रो. मंडल के निधन से दे ा एक ि ाक्षाविद व प्रख्यात सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन कप्तान सीसराम, भूतपूर्व विधायक, हरियाणा विधान सभा के हाल में हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 20 अक्तूबर, 1922 को पटौदी के पास खोड़ गांव मे हुआ। जीवन का काफी समय उन्होने एक निश्ठावान सैनिक के रूप में बिताया। सेवामुक्त होने के बाद वे अपने क्षेत्र के विकास में जुट गये। वे ब्लाक समिति पटौदी के अध्यक्ष, जिला परिशद गुड़गांव के सदस्य तथा हेली मंडी मार्किट कमेटी के पदों पर काम करते रहे।

कप्तान सीसराम 1972 से 1977 तक हरियाणा विधान सीाा के सदस्य रहे। उनके निधन से राज्य एक अनुभव विधायक तथा समाज सेवी की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व विधायक वैद श्री कृश्ण के पहली मार्च, 1983 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

वैद श्री कृश्ण जिला जींद में स्थित जीतगढ़ गांव के रहने वाले थे। वह प्रजामंडल आन्दोलन के प्रमुख नेताओं में से थे और उन्होनें स्वाधीनता संघर्श में महतवपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह एक अनुभवी वैध थे और बडी निश्ठा से उन्होनें जन सेवा की थी। उनका जीवन सरल और सादा था।

वैद श्री कृश्ण 1957 से 1962 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे।

उनके निधन से राज्य एक प्रमुख स्वाधीनता सेनानी, एक अनुभवी विधायक तथा एक निश्ठावान समाजसेवी की सेवाओं से वंचित हो गया है। सदन दिंवगत के भाोक सतंप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य श्री हरिविश्णु कामथ के 9 अक्तूबर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कामथ का जन्म 13 जुलाई, 1907 को मंगलूर (कर्नाटक) में हुआ। उनकी प्रारम्भिक ि ाक्षा अपने गांव में हुई व 1928 में उनहोने विज्ञान की डिग्री मद्रास वि वविद्यालय से प्राप्त की। उनहोनें 1930 में आई.सी.एस. में प्रवे ा पाया व मध्य प्रान्त व बरार सरकार में कई न्यायिक व प्र ाासनिक पदों पर कार्य किया।

श्री कामथ ने स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने के लिये वर्श 1938 में 26 जनवरी को आई.सी.एस. से त्यागपत्र दे दिया। उस समय यह दिवस स्वतंत्रा दिवस के रूप में मनाया जाता था। उनहोनें कांग्रेस फारवर्ड ब्लाक, प्रजा समाजवादी पार्टी में व समाजवादी पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लेने के कारण वह 1940 से 1945 तक जेल में रहे। श्री कामथ 1946 से 1949 तक संविधान सभा के सदस्य और 1950 से 1952 तक अस्थाई संसद के सदस्य रहे। वह 1955 से

1957, 1962 से 1967 तथा 1977 से 1979 तक लोक सभा के सदस्य रहे। श्री कामथ 1966 से 1970 तक प्र ाासनिक सुधार आयोग के सदस्य वह 1979 में प्रेस परिशद के सदस्य रहे। 1977 में उनहोनें संयुक्त राश्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि मंडल के वैकल्पिक नेता के रूप में कार्य किया।

श्री कामथ को द र्ान– ाास्त्र, साहितय, ज्योतिश व योग में गहरी रूचि थी। वह अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक थे।

श्री कामथ के निधन से दे ा के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक एवं अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन संसद श्री महमूद हसन खान के 5 दिसम्बरख, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री खान का जन्म 26 जनवरी, 1930 को हुआ। वह व्यवसाय से कृशक थे। उन्होनें राजनीति में सकिय रूप से भाग लिया। और 1975–76 में बुलन्द भाहर जिला के भारतीय लोकदल के प्रधान चुने हुये। वह 1977 में पहली बार लोक सभा के लिये चुने गये। तथा 1979 तक इसके सदस्य रहे। वह 1980 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश के अपने पुराने चुनाव क्षेत्र से

पुनः चुने गये। वह नगरपालिका बुर्जा के सदस्य तथा चेयरमेन भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक योगय सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिंवगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व संसद सदस्य श्री श्रीचन्द गोयल के 23 दिसम्बर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री गोयल का जन्म 15 अगस्त, 1915 को जिला करनाल के गांव कैम्बाला में हुआ। उन्होनें सैंट स्टीफन कालेज, दिल्ली से स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद दिल्ली वि वविद्यालय से एल0एल0बी0 की परीक्षा की। उन्होनें वकालत आरम्भ की और वह जिला बार ऐसासिए ान, संगरूर के प्रेजीडेंट तथा ंपजाब हाई कोर्ट की ''बार काउन्सिल आफ इंडिया'' के कोशाध्यक्ष बनाये गये।

श्री गोयल ुरवरी 1958 से अप्रैल 1960 तक तथा 27 अप्रैल, 1964 से 31 अक्तूबर, 1966 तक पंजाब विधान परिशद के सदस्य रहे। वह 1967 में चण्डीगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के लिये चुने गये। उन्होने याचिका समिति के चेयरमैन, पंजाब विधान परिशद की सरकारी आ वासन समिति के सदस्य तथा पंजाब विधान सभा की लोक लेखा एंव अनुमान समिति के सदस्य के रूप

मैं कार्य किया। उनका नाम पंजाब विधान परिशद के चेयरमैन के पैनल पर भी बहुत लम्बे समय तक रहा।

श्री गोयल 1977–78 में हाई कोर्ट एसोसिए ान के प्रेजीडेंट रहे। कुछ समय तक वह केन्द्रीय गृह मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य ओर मुंख्य आयुक्त, चण्डीगढ़ की सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक प्रमुख वकील, अनुभवी सांसद तथा एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गा है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक प्रकट करता है।

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री री चिन्तामणी द्वारकानाथ दे ामुख के 2 अक्तूबर, 1982 को हुये निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री दे ामुख का जन्म 13 जनवरी, 1896 को महाराश्ट्र के गांव नाटा में हुआ। उनहोने बम्बई, कैम्ब्रिज वि ववविद्यालयों व इनर टैम्पल, लंदन से ि ाक्षा प्राप्त की और 11 वर्श की आयु के प चात नये भौक्षणिक कीर्तिमान स्थापित किये। विधि स्नातक री दे ामुख 1918 में आई.सी.एस. की परीक्षा म बैठे व प्रथम रहे। उन्होनें 1919 से 1939 तक मध्य प्रान्तों तथा बरार सरकार में उच्चस्तरीय प्र ाासनिक अधिकारी के पदों पर कार्य किया। वह 1939 में केन्द्रीय सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त किये

गये। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सैन्ट्रल बोर्ड में कुछ समय तक निदे ाक के रूप में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने के प चात वह 1943 तक इसके सचिव भी रहै। 1949 तक उनहोनें पहले डिप्टी गवर्नर तथा बाद में गवर्नर के पदों को सु ाोभित किया। इस महत्वपूर्ण पद तक पंहुचाने वाले वह पहले भारतीय थे।

श्री दे ामुख 1932 से 1937 तक केन्द्रीय प्रान्त व बरार राज्य की विधान परिशद के सदस्य रहे। 1950 से 1956 तक वह संसद सदस्य, वित्त मंत्री और योजना आयोग के सदस्य रहे।

श्री दे ामुख बहुत सी सामाजिक तथा भौक्षणिक संस्थाओं में उच्च पदों पर रहे। वह 1956 से 1961 तक वि ववविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष तााि 1962 से 1967 तक दिल्ली वि ववविद्यालय के कुलपति रहे। उन्होनें विदे ाों में कई कांन्फ्रैसों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनहें भारतीय तथा विदे ाी वि ववविद्यालयों से लगभग 15 मानद उपधियों से अलंकृत किया गया । प्र ांसनीय सेवाओं के परिणामस्वरूप उन्हें मैगसेसे पुरस्कार एवं 1975 में पद्म विभूशण से सम्मनित किया गया।

श्री दे ामुख के निधन से दे ा एक प्रसिद्ध अर्थ ाास्त्री, मेधावी ि ाक्षाविद् एवं योग्य प्र ाासक की सेवाआं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भााक सतंप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हिामचल प्रदे ा के परिवहन मंत्री श्री देस राज महाजन के 8 दिसम्बर 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री महाजन का जनम 16 अक्तूबर, 1921 को चम्बा में हुआ थ। उन्होनें अपनी प्रारम्भिक ि ाक्ष्ज्ञा राजकीय हाई स्कूल, चम्बा मेंप्राप्त की और कानून में स्नातक की उपाधि लाहौर से प्राप्त की। उनहोनें 19 वर्श वकालत की ओर प्रमुख वकीलों में अपना स्थान बना लिया।

श्री महाजन 1958 में नगरपालिका, चम्बा के प्रेजीडैंट भी चुने गये। उन्होनें 1962 तथा 1965 में राश्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों एवं राहत समिति के कार्यों में गहरी रूचि ली। वह भारत सेवक समाज के चेयरमैन रहे और उनहोनें 1965 से 1971 तक हिमाचल सदाचार समिति के प्रेजीडेंट पद को सु ाोभित किया। उन्होनें 1970–71 के दौरान हिमाचल प्रदेश हरिजन एवं आदिम जाति सेवक संघ के चेयरमैन पद पर भी कार्य किया।

श्री महाजन 1963 से 1967 तक हिमाचल विधान सभा के अध्यक्ष रहे। उनहोनें प्रिजाइडिंग आफिसर कमेटी में दो बार कार्य किया। वह 1972 मे हिमाचल प्रदे ा विधान सभा के लिये पुनः चुनें गये और मंत्रीमंडल में राजस्व मंत्री के पद पर कार्य किया। वह ि ाक्षा व परिवहन मंत्री भी रहे। उन्हें 1982 में

हिामचल प्रदे ा विधान सभा के लिये पुनः चुना गया तथा उन्हें परिवहन मंत्री का कार्यभार सौंपा गया।

उनके निधनर से दे ा एक अनुभवी विधायक तथा एक समाज सेवी की सेवाओं से वंचित हो गया हैं यह सदन दिवंगत के भाोक–सतंप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, श्री प्यारे लाल के 27 अक्तूबर, 1982 को हुये दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री प्यारे लाल का जन्म 1899 में दिल्ली में हुआ। राजकीय कालेज, लाहौर से अंग्रेजी आनज्र में स्नातक पास करने के बाद वह एम0ए0 में दाखिल हुये। 1920 में उन्होनें असहयोग आन्दोलन में भाग लेने के लिये कालिज छोड़ दिया। स्वतंत्रता संघर्श के दौरान वह सात या आठ बार जेल गये। वह लम्बी अवधि के लिये गांधी जी के निजी सचिव रहे वह 1930 में ि,तीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिये उनके साि लन्दन गये। इसके प चात वह बर्मा व लंका भी गये और 1946 के साम्प्रदायिक झगड़ों के दौरान बंगाल गये। वह 1965 में सरहदी गांधी अब्दुल गफ्फार खान जी को मिलने काबुल गये।

श्री प्यारे लाल, जो एक विख्यात पत्रकार भी थे, ने गांधी जी द्वारा भाुरू की गई साप्ताहिक पत्रिका ''हरिजन'' का

सम्पादन सम्भाला तथा वह ''यंग इंडिया'' के लिये भी लिखते रहे। वह गांधी जी के जीवन–द र्शन तथा विचारधारा के अधिकृत व्याख्याता थे। वह आतम–निर्भर ग्रामीण अर्थ–व्यवस्था एवं कुटीर उद्योग के समर्थक थे। वह अनेक पुस्तकों के लेखक थे।

उनके निधन से देश एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, गांधीवाद के विवेचक व विख्यात लेखक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक –सतंप्त परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदनाप्रकट करता है।

यह सदन सर्वश्री निकोलाई वी पोदगार्नी, सोवियत संघ के भूतपूर्व राश्ट्रपति कांडाजी बासप्पा, भूतपूर्व केन्द्रीय उप–मंत्री, गुनानन्द ठाकुर, चेगीरेड्डी वाली रेड्डी, श्री कृश्ण अग्रवाल एच0आर. गूर्वा रेड्डी, रघुवीर सिंह, एन0एच0 कुम्भारें, दिनकर देसाई, चिमलाल चाकुभाई तथा अनिरूद्ध सिनहा, संसद के भूतपूर्व सदस्य, निरंजन नाथ वांचू, मध्यप्रदे ा और केरल के भूतपूर्व राज्यपाल, रामचन्द्र काक, जम्मू व क मीर रियासत के अन्तिक प्रधान मंत्री, एम0डी0 अलीमुदीन मनीपुर के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, डा0 पी0सी0 घोश, पि चमी बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रयम्बकलाल दवे, गुजरात के मंत्री श्रीमती भारदचन्द्रिका पाटिल, महाराश्ट्र की मंत्री सर्वश्री भांकर गुप्ता, पि चमी बंगाल के मंत्री यादवेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष उत्तर प्रदे ा विधान सभा, ठाकुर बलबीर सिंह, उत्तर प्रदेश के भूतपुर्व मंत्री , सर्वश्री भंजीभाई पटेल व बाजुभाई भााह डा0 ए0बी0 नागे वर राव, आन्ध्र प्रदे ा के भूतपूर्व

मंत्री श्री जसदेव सिंह, पंजाब के भुतपूर्व मंत्री,डा0 रामराज प्रसाद सिंह, बिहार के भूतपूर्व मंत्री सर्वश्री रामकर्ण जो ा, राजस्थान के भूतपूर्व मंत्री लाल चन्द प्रार्थी, हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व मंत्री रणजीत सिंह, जम्मू तथा क मीर के भूतपूर्व मंत्री, मोहम्मद अली महताब अली, कर्नाटक के भूतपूर्व मंत्री राजबिहारी सिंह, उत्तर प्रदे ा के भूतपूर्व मंत्री, रविन्द्र कि ाोर साही, उत्तर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्य मंत्री, टिक्का जगतार सिंह, सयुंक्त पंजाब के भूतपूर्व उपमंत्री, हेमराज जंडियाल, जम्मू तथा क मीर विधान सभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष, सोहन लाल बंसीवाल, विधायक राजस्थान, सरदार सिंह, अब्दुल रहमान फारूकी तथा श्रीमती तारा ज्योति भार्मा, मध्यप्रदे ा के विधायक, सर्वश्री चरणजीत सिंह विर्क, उत्तरप्रदे ा के विधायक, भामसूज जोहा, पि चमी बंगला के विधायक, एल0एस0 देसाई कर्नाटक के विधायक, रामकुमार, भजन लाल व दाना राम, पंजाब के भूतपूर्व विधायक, एम0आर0 ार्मा, पंजाब के भूतपूर्व एम0एल0सी0, पी0एन0थापर (आई0सी0एस0) लुधियाना कृशि वि वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति, के0पी0एस0 मेनन, चीन व सोवियत संघ में भारत के भूतपूर्व राजदूत इलाचान्द जो ाी, प्रसिद्ध हिन्दी उपन्यासकार, कवि व पत्रकार, प्रमोद दास गुप्ता, रूसी साम्यवादी दल की केन्द्रीय समिति के राजनीतिक विभाग के वरिश्ठ सदस्य और के0एन0कौल, प्रसिद्ध वनस्पतिज्ञ के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढ़डा): स्पीकर साहब, यह जो लीडर आफ दी हाउस ने भाोक प्रस्ताव पे ा किया है, मैं इसका समर्थन करने के लिये खडी हुई हूं और जो दिवंगत आत्मायें हमसे जुदा हो गयी है, मै उनके प्रति अपनी श्रद्धांजली अर्पित करती हूं और उनके पविारों को भी अपनी सहानुभुति भेजती हूं। स्पीकरसाहब इनमें से कुछ एक व्यक्ति तो मेरे व्यक्तिगत वाकिफ भी थे। मैं आर्चा विनोबा भावे जी को अपनी श्रद्धांजली देती हूं। उन्होनें अपने जीवन में ग्रमीण लोगों के लिये बडी किताबें लिखी। प्रधान मंत्री सहित बड़े–2 लोग उनके द ार्शन करने के लिये और उनसे आ ार्वाद लेने के लिये जाते थे लेकिन उनकी बातों पर अमल किसी ने भी नहीं किया और न ही करना चाहते है। इसी तरह से भान्नो देवी जी क्रान्ति का बडा कार्य करती रही, लेकिन उनके अन्तिम दिन बडे दुखद थे। मैं उनसे अस्पताल में मिलकर आयी थी उनकी कोई देखभाल न थी। वह बडी दुखद थी। सरकार को उनकी तरफ ध्यान देना चाहिये था लेकिन अफसोस है कि उनकी तरफ ध्यान नहीं दियागया। इसी तरह से सरदार उज्जल सिह जो पंजाब के एक सपूत थे, ने पहले–पहल किसानों को गेहूं की उचित कीमत दिवाने में पहल की थी। उज्जल सिंह कमेटी इसके लिये बडी म ाहूर हुई है और उन्होनें किसान को पहली बार उसके उत्पादन का, उसकी मेहनत का जो खर्चा है उसको मिलना

चाहिये इसके लिये उनहोने किसानों को रास्ता दिखाया ओर उनका मार्ग द र्न किया। इसी तरह से श्री महेन्द्र मोहन चौधरी, जब हम कांग्रेस में थे, तो वह सैकेटरी हुआ करते थे, को भी मैं अपनी श्रद्धांजली पे ा करती हूं। चौधरी सूरज मल किसाना वर्ग से सम्बन्ध रखते थे। उन्होनें पंजाब में जब वे पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर थे, अपने वक्त में बडी सेवा की। उन्होनें गांवों को सडकों से मिलाने का काम अपने वक्त में भुरू किया था। इसी तरह से महमूद हसन खां को भी मैं अपनी श्रद्धांजलि पे ा करती हू। श्री चन्द गोयल तो चण्डीगढ से चुने गये थे उनको भी मैं अपनी श्रद्धांजलि पे ा करती हूं। श्री महमूद हसन खां हमारे लोक दल में थे, उनका असमय निधन हुआ है इससे हमें बडी क्षति हुई है। इसी तरह से श्री चिन्तामणि दे ामुख जी के बारे में मैं समझती हूं कि जो कुछ उनहोने दे ा के लिये किया, वह बहुत बडी बात थी। वे केन्द्र के वित्तमंत्रियों में से योग्यतम वित्त मंत्री थे लेकिन जो भी योग्यतम वित्त मंत्री रहे है, उनका कार्यकाल भी उतना ही थोडा रहा हैं इस तरह से देसराज महाजन जी को भी मैं जानती थी। वे अपने लोगों में बडे प्रिय थे और अच्छे लोगों में उनकी गिनती होती थी। इसी तरह से हदूसरे बहुत सारे महानुभाव है, अगर मैं उन सब के नाम लेने लगूं तो काफी समय लग जायेगा इसलिये मैं उनका नाम नही लूंगी। मुख्यमंत्री जी ने उनके नाम ले दिये है। मैं उन सबके प्रति अपनी श्रद्धांजलि पे ा करती हूं। इसके अलावा रामकुमार हमारे भिवानी जिले में पंजाब के वक्त में थे। इसी तरह से राम करण जो ा, राजस्थान के थे। यह सारे

आजादी के पहले के लोग है। इसी तरह से दूसरे एम0पीज0, एम0एल0एज0 और भूतपूर्व मंत्रियो सहित, इन सब के लिये अपनी श्रद्धांजलि पे ा करती है और अपनी सहानुभूति भाोक–संतप्त परिवारों को भेजती हूं।

(16.00 बजे)

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, इस सदन की पिछली बैठक से लेकर आजतक इस दे ा की बहुत सी महान विभूतियां हमसे जुदा हो गई है । स्पीकर साहब, इस थोडे समय में 63–64 विभुतियां हमसे जुदा हुई है। आचार्य विनोबा भावे इंटरनै ानल फेम के नेता थे। उनकी अपनी फिलौसफी थी और अपनी उस फिलौसफी के तरीके से ही इस दे ा के इंकलाब लाना चाहते थे। उन्होने तकरीबन सारे हिन्दुस्तान का दौरा किया था ताकि वे अपनी फिलौसफी को अमलीजामा पहनासके। आचार्य विनोबा भावे जब तक जीवित रहे हम सब की प्रेरणा का स्त्रोत बने रहे। उनके जाने से दे ा में एक ऐसा स्थान खाली हो गया है जिसकी पूर्ति करना असम्भव है।

इसके अलावा स्पीकरसाहब, श्रीमती भान्नों देवी जोकि हरियाणा विधान सभा की पहली स्पीकर थी वे भी हमसे जुदा हो गई है। वे बहुत ही पुरानी स्वतंत्रता सेनानी थी। मुझे उनके द र्ान करने का सौभाग्य तो नहीं मिला लेकिन उनके बारे मे

काफी चर्चा सुनी ळे कि वे बहुत ही स्पश्ट वक्ता और बहुत ही मजबूत विधायिका रही थी।

इसके अलावा चौधरी सूरजमल जोकि मेरे जिले के ही थे, और वे केवल अपने जिले के ही नहीं थे बल्कि मेरा उनके परिवार के साथ बहुत ही गहरा सम्बनध रहा है। उन्होनें जितने भी चुनाव लडे मेरे परिवार ने उनकी हमे ाा मदद की। स्पीकरसाहब, चापैधरी सूरजमल बहुत ही साफ गौ आदमी थे। राजनीतिज्ञ तो बहुत लोग होते हे और मंत्री भी बहुत लोग होते है लेकिन उनके अन्दर एक खास सिफत थी कि वे लोगों को एक्सप्लायट नहीं करते थे, वे लोगों को बहकाते नहीं थे बिल्कुल सपश्ट बात कहते थे और जहां कही भी किसान के हित की बात होती थी तो बडी मजबुती के साथ वे अपना स्टेण्ड लिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सूरजमल जब तक राजनीति में रहे सारे पंजाब में उनका अपना एक स्थान रहा और हिसार जिला तो वि ोश तौर पर उनका ऋणी रहेगा। चौधरी सूरजमल ने किसान के हित के लिये बहुत से ऐसे काम किये जिनको कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उनके पांचो लडके बहुत उंचे ओहदों पर हैं उनका एक सुपुत्र चौधरी जसंवत सिंह मिनिस्टर भी रहे है। उनके पौते भी अच्छे पदों पर हैं उनके इस संसार से उठ जाने से हरियाणा को काफी नुकसान हुआ है और हिसार जिले को वि ोशतौर से नुकसान हुआ है। हिसार जिला और खासतौर से हांसी का इलाका उनके नेतृत्व से वंचित हो गया है।

स्पीकर साहब, श्री पीलू मोदी बहुत ही बढिया किस्म के नेता थे। मैंने कभी भी उनके चेहरे पर कोई ि ाकन नहीं देखी। पांच–छः साल तक मेरा उनसे सम्पर्क रहा हैं वे हर बात फिलौस्फीकल अन्दाज से करते थे, और बहुत ही हंसी खु ाी से अपना जीवन व्यतीत करते थे। पीलू मोदी जैसे नेता का हमारे बीच से उठ जाना ऐसा है जिसकी पूर्ति होना बहुत ही मु ि कल है।

श्री श्रीचन्द गोयल भारतीय जनता पार्टी और पुरानी जनसंघ के वरिश्ठ नेताओं में से थे। वकील होने के नाते से मेरा उनसे सम्पर्क रहा हैं वे भी बहुत ही अच्छे वक्ता और अच्छी सूझबूझ के नेता थे। उनके स्वर्गवास हो जाने से जहां उनकी पार्टी को नुकसान हुआ है वहां वकीलों की जो बार ऐसोसिए ान है उसने भी एक ऐसे नेता को खो दिया हे जिसके स्थान को पूरा करना ही मु ि कल है।

श्री रघुबीर सिंह भाास्त्री उत्तर प्रदे ा के जाने माने व्यक्ति रहे है। बहुत दृढ़ आर्यसमाजी थे ओर आर्यसमाज के बडे नेताओं में से एक थे। उनके चले जाने से आर्य समाज को काफी हानि हुई है जिसकी पूर्ति करना बडा ही मु ि कल है।

स्पीकर साहब, 63–64 विभुतियां इस संसार से उठ गई है। मैं अपने दल की तरफ से अपनी तर से इन सब को श्रद्धांलि अर्पित करता हू। स्पीकर साहब, मै आपकी ईजाजत से लीडर आफ

दि हाउस से एक रिकवैस्ट करना चाहता हूं कि हरियाणा के भतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जो इस सदन के माननय सदस्य है उनके दामाद श्री पृथ्वी सिंह की परसों अचानक मृत्यु हो गई। मु कल से उनकी आयु 40–42 साल की थी। श्री पृथ्वी सिंह कालेज के दिनों में जाने माने खिलाडी रहे है परन्तु दुखदायी बात यह थी कि उनके कोई औलाद नहीं थी और परसों अचनक उनकी मृत्यु हो गई हैं मैं लीडर आफ दि हाउस से प्रार्थना करता हूं कि उनका नाम भी इस लिस्ट में जो कि उन्होनें हाउ में रखी है, भाामिल कर लिया जाये।

चौधरी भजन लालः ठीक है। उनका नाम भी भाामिल कर लिया जाये।

श्री मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय विधान सभा के नेता की ओर से जो प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया गया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खडा हुआ हू। स्पीकर साहब, पिछले सत्र से लेकर इस सत्र तक जो विभुतियां इस संसार से उठ गई है वे 65 के लगभग है जिनमें आचार्य विनोबा भावे, रूस के राश्ट्रपति ब्रेजनेव, वहां के भूतपूर्व राश्ट्रपति, तीन राज्यपाल, अठारह मन्त्री, ग्यारह विधायक और पन्द्रह के लगभग संसद के सदस्य हैं इनमें श्री रामचन्द्र काक, जो जम्मू तथा क मीर के अंतिम प्रधान मंत्री थे , लुधियाना कृशि वि वविद्यालय के उपकुलपति, श्री प्रमोद दास गुप्ता वरिश्ठतम सी0पी0एम0 पौलिटब्यूरो सदस्य, हिन्दी के प्रख्यात लेखक श्री इलाचन्द जो ी तथा श्री के0सी0 एस0 मैनन जो चीन

तथा सोवियत सघं में भूतपूर्व भारतीय राजदूत थे, के नाम इस लिस्ट में है। स्पीकर साहब, 65 विभूतियों को हम श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ठीक ही कहा गया है कि महात्मा गांधी के साथी, उनकी पीढ़ी के सहयोगी, उनके आद ार्ों को कार्यान्वित करने वाले और अन्धेरे में जो चिगारी का काम करते थे, उन आचार्य विनोबा भवे का भी देहान्त हो गया है। अध्यक्ष महोदय, उनका देहान्त बडी दुखद अवस्था में हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आचार्य विनोबा भावे दृढ़ सकंल्प के व्यक्ति थे। उन्होने छोटी सी आयु में ही ब्रह्हाचार्य की पालना करने का वृत लिया था और उसके प चात स्वतंत्रता संग्राम में उन्होने प्रवे ा किया। वे अनेको बार जेल गये। राश्ट्रपिता महात्मा गांधी के अनुरोध पर उन्प्होनं कई आश्रम चलाये और कई पुस्तकों की रचना भी की है, उनमें से कुछेक पुस्तकों को पढने का मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। स्पीकर साहब, गीता पर उन्होने ंकई भाश्य लिखे है। वे 14 भाशाओं के विद्वान थे, यहां पर किस–2 पुस्तक की चर्चा करूं। एक से एक बढ कर पुस्तक उन्होनें लिखी। भूदान का आन्दोलन संसार में अएक अनोखा आन्दोलन था। एक और भूपति भूमि हीनों को भूमि देने के बिल्कुल निकट नहीं आते थे। कितना खून खराबा वहां पर हुआ। इस तरह के वातावरण में जा कर के विनोबा जी ने उस वातावारण को अहिंसा में बदला और बडी सूझबूझ का परिचय उनहोनें दिया। ऐसे महापुरूशों को संसार कैसे भूल सकता है। 64000 किलोमीटर पैदल चल करके उन्होनें सारे दे ा का भ्रमण किया और लोगों की भलाई के लिये काम करते रहै। स्पीकर

साहब, उनके दिल में बडी भारी इच्छा थी कि गौ वध बन्द होना चाहिये। उन्होनें बार–बार इस बारे में अपनी सरकारों को कहा, लेकिन हमारी सरकारों ने अनसुना कर दिया, अनदेखा कर दिया जिसके कारण उनहोनें बडी निरा ाा महसूस की लेकिन वे तो बाबा थे और वे अपने इरादों पर सदा ही अडिग रहे थे। उन्होनें कहा कि अगर आप मेरी बात नहीं मानेागें तो मैं इस आन्दोलन को जारी रखूंगा। वे प्राकृतिक मौत नहीं मरे, उन्होनें भोजन, दवाई, पानी वगैरह कुछ भी लेने से इन्कार कर दिया था। यहां तक कि हमारी प्रधान मंत्री जी भी उनके पास चल कर गयी। उन्होनें विनोबा जी को कहा थ्क आप भोजन ले लेा, पानी पीओ और दवाईयां वगैरह का प्रयोग करो। आप मेरी बात मानों लेकिन विनोबा जी सन्यासी थे, अडिग थे, उन्होने प्रधान मंत्री जी को यह कहा कि अगर आप मेरी बात नहीं मान सकते तो आप मुझे अपनी बात क्यों मनवा रहे है। आखिर वे सन्यासी इसी आन्दोलन के कारण इस संसार को छोउ कर चले गये। कितने बडे तपस्वी थे, ऋशि थे, जाने के बाद सारे दे ा के माथे पर एक कलंक का टीका छोड गये। यह हमारे देश का कितना बडा दुर्भाग्य है कि इस तरह के सेनानी, तपवी हमें दुख देकर चले गये ओर इसी गौवध आन्दोलन के कारण उनकी मौत हो गयी। जो सपने उन्होने इस दे ा के लिये देखे थे, वे सब अधूरे के अधूरे ही रह गये। इस से बढकर हमारे लिये दुख की बात ओर क्या हो सकती हैं?

इसी तरह से स्पीकर साहब यहां हाउस मे विदे ी विभूतियों का भी जिक्र आया कि उनहोने वि व तनाव को कम करने का काफी प्रयत्न किया है। यह मामला काफी कम्पलीकेटिड सा है, डिस्प्युटिड सा है, यहां पर इस मसले का जिक्र न ही किया जाए तो अच्छा है। मैं कहना तो नहीं चाहता कि किस तरह से उन्होनें अफगान्स्तिान पर कब्जा कर रखा है। चलो श्रंद्धाजलि तो इन महानुभावों को देनी ही है।

स्पीकर साहब, श्रीमती भान्नो देवी का भी यहां पर जिक्र आया। वे हमारी माता के समान थी। मेरा उन से 1957 से सम्बन्ध चला आ रहा है, जब वे अमृतसर से रोहतक में चुनाव लडने के लिये आई थी और रोहतक की जनता ने वहां से मुझे अपना आ ीर्वाद देकर यहां पर भेजा था। फिर उसके बाद यमुनानगर से वे जीत कर आई और यहां पर स्पीकर बनी। उस समय मैं असैम्बली का सदस्याथा, मैने उनहें कहा कि बहन जी, अब आपको वहां से दोबारा टिकट नहीं मिलेगा। क्योंकि वहां पर अब कोई और दावेदार है। अध्यक्ष महोदय, वे अपने काम काज में बडी निपुण थी, बडी कु ाल महिला थी। जबकि महिलायें अपने घरों से बाहर नहीं निकलती थी और पर्दा करती थी, उस बहन भान्नों देवी जी ने ऐसे समय में अपनी सूझबूझ और हो ियारी से कैसे काम किया, आप इस बात की कल्पना कीजियेगा। उस समय में स्नातक होना, ग्रेजुयेट होना और फिर कन्या महाविद्यालय जालन्धर की प्रिंसीपल होना, यह हम सब के लिये गौरव की बात है। मुझे

बडे दुख के साथ यह कहना पडता है कि उस समय के जो लोग थे, वे बडे ही मिलनसार थे, आद र्वादी थे। उनको आजकल कोई नहीं पूछता लेकिन आज यह हो रहा है कि अगर एक आदमी राजनीति मे ंआगे है,पावर में है तो लोग दुम हिला हिला कर उसके पीछे भागते है। आजकल इतना साइकोफैन्टस हो गये है कि कोई किसी की बात तक नहीं सुनता और ऐसे लोग जो आद र्वादी है जिन्होने दे ा के लिये, आने राज्य के लिये कई तरह की कुर्बानियां की है, सेवायें की है, आज लि–2 कर आने प्राणों की बली दे रहे है और निरा ा हो कर इस संसार से जा रहे हैं यह हामरे लिये बहुत लज्जा की बात है।

स्पीकर साहब, श्री उज्जल सिंह, जोकि पंजाब के भूतपूर्व राजयपाल थे, ने भी बडी ख्याति प्राप्त की थी। उनके निधन से दे ा एक योगय प्र ाासक तथा अनुभवी राजनीतिज्ञ की सेवाओं से वंचित रह गया है आसाम के श्री महेन्द्र मोहन चौधरी, जो कि पंजाब के भूतपूर्व राज्यपाल थे, उनके निधन से भी दे ा को बडा भारी नुकसान हुआ है।

चौधरी सूरज मल जोकि संयुक्त पंजाब के मंत्री रहे है उनके बारे में भी श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक ही कहा है। मेरा उनसे काफी नजदीक का सम्बंध रहा हैं जब वे पी0डब्ल्यू.0डी0 मिनिस्टर थे, उस समय मैं सदस्य था। वे साु दिल आदमी थे, उन्होनें गरीबों की तरक्की कके लिये गांवों में बडा काम किया। उनके समय में हिन्छी आन्दोलन भी चला था और उन्होनें कहा कि

कहीं यह मेरी मिनिस्टरीखोसने का आन्दोलन तो नहीं है? उन्होने हरियाणा के इलाके में जिस परिश्रम और योग्यता व निश्ठा के साथ काम किया है, वह सचमुच में ही बडा सराहनीय है।

इसी तरह से स्पीकरसाहब, श्री पीलू मोदी, संसद सदस्य, जोकि राम चारपाई पर सोये और सुबह का उठे ही नहीं और सारा संसर देखता ही रह गया। स्पीकरसाहब, वे जिस भी गम्भीर बात को कहते थे,बडे ही अजीब अन्दाज से कहते थे लिसके कारण लोग अघ–2 कर उठते थे लेकिन ई वर की लीला ही न्यारी है कि जिसने इससंसार में जन्म लियाहे, वह अव य ही इस संसार से जायेगा। श्री जो ा, जो कि एक साुध समान थे, वे भी आनी दाप पीछे छोड गये हैं यहां पर हरि विश्णु कामथ,संसद के भूतपूर्व सदस्य का भी जिक आया। स्पीकर साहब,, वे भी इस दे ा के लिये एम मिसाल थे। उन का अपना आद र्ा था और इन्होनें भी देश की जनता की भलाई के लिये काफी काम कियै। वे आई0सी0एस0 अफसर हुआ करते थे। दे ा की सेवा के लिये उन्होनं अपनी नौकरी की भीपरवाह नहीं की ओर अपने पद से तयागपत्र दे दिया लेकिन आज कल क्लास थ्री तो एक तरु रहा, क्लास टू में अगर कोई आजकल आ जाता है तो वह पता नहीं अपने आप को क्या समझने लगता हैं लेकिन श्री कामथ अंग्रेंजों के वक्त के आई0सी0एस0 थे। वे एक अच्छे पार्लियामेंटेरियन और वक्ता थे। वे सदन में बैठकर हर चीज को काफी देर तक वाच

करते रहते थे। उनका बडा आद र्मियी जीवन था। वे भी इस संसार से चले गये। इसका हमें दुख है।

इसी तरह से हमारे आदरणीय श्री श्रीचन्द जी गोयल का भीयहां पर जिक्र आया। स्पीकर साहब, जाने वाले के लिये कश्ट तो होता ही है। वे हमारे साथी थे, बुजुर्ग थे, और उनका सारा जीवन आद र्मियी था। उन्होने संट जान्स स्टीफन कालेज, दिल्ली से स्नातक की परीक्षा पास करने के बाद दिल्ली वि वविद्यालय से एल0एल0बी की परीक्षा पास की। वे वकालत आरम्भ करने के बाद जिला बार एसोसिए ान, संगरूर के प्रेजीडेंट तथा पंजाब तथा हरियाणा हाई कोर्ट की 'बार काउन्सिल आफ इंडिया'' के कोशाध्यक्ष बनाये गये। उसके बाद वे वकालत छोडकर राश्ट्रीय स्वयं सेवक संध के द्वारा राश्ट्र की सेवा में तत्पर हो गये। उसके बाद वे राजनीति में आये। लोकसभा में चण्डीगढ़ की जनता ने उनहें चुनकर भेजा। स्पीकर साहब, जब भी इलैक ान होते थे तो हम लोग उनके पास कई दफा अपनी दिक्कतों को लेकर जाते थ। वे इलैक ान के मास्टर थे। जहां तक उनकी वकालत का ताल्लुक था, उन्होने थोडे से समय में ही अपनी धाक जमा ली थी। सीनेट के मैंबर भी रहे।

श्री प्यारे लाल नैयर एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे और पूज्य महात्मा गांधी जी के प्राईवेट सैक्रेटरी थे। स्वतंत्रता संघर्श के दौरान वह सात या आठ बार जेल गये। उन्होने असहयोग आन्दोलन में भाग लेने के लिये कालेज छोड दिया। श्री

प्यारे लाल एक विख्यात पत्रकार थे और उन्होंने गांधी जी की पत्रिका ''हरिजन'' का सम्पादन सम्भाला और ''यंग इंडिया'' के लिये भी लिखते रहे। इस तरह से वे ब्रिटि ा भाासन से संघर्श करते रहे। स्पीकर साहब, ये विभूतियां इस संसार से बारी –बारी जा रही है और इनकी सेवाओं को दे ा सदा ही याद रखेगा। स्पीकर साहब, विधाता के आगे किसी का कोई जोर नहीं चलता। इसी प्रकार से रधुवीर सिंह जी हैं वे रहने वाले तो यू0पी0 के थे लेकिन हिन्दी सत्याग्रह में हमारे उनसे बडे अच्छे संबंध रहे। वे बहुत ही उच्च कोटी के विद्वान थे। वे भाास्त्री परीक्षा में उत्तर प्रदे ा मे सर्व प्रथम आने वाले में से थे। इसी प्रकार से श्री लालचन्द प्रार्थी जी है जो हिमाचल प्रदे ा के भूतपूर्व मंत्री थे। जब वह इलाका पंजाब और हरियाणा में भाामिल था उस समय वे हमारे साथ एम0एल0ए0 हुआ करते थे। वे बहुत अच्छे कवि थे और समाज सेवक थे। बाद में वहां जाकर मंत्री बन गये। इसी तरह से उत्तर प्रदे ा के श्री रविन्द्र कि ाारे भााही है जो जनता सरकार में पवर मिनिस्टर रहे। वे इतने सिद्धांतवादी थे कि बिड़ला कंसर्न ने उन पर दबाव डाला कि हमारे कारखानें की बिजली नहीं कटनी चाहियै। उनहोने कहा कि अगर किसान की बिजली कटेगी तो तुम्हारी भी कटेगी। यह नहीं हो सकता कि किसान के टयूबवैल बन्द रहे और खेतों में धूल उठे और दूसरी तरफ

आपके कारखानें 24 घंटे चले। मैं नाम नही लेना चाहता, बडी–2 डिगनिटरीज से जोर आया कि इनके कारखाने की बिजली मत काटो लेकिन उन्होनें कहा कि मेरा त्याग पत्र ले लीजिये

लेकिन मैं बेइंसाफी नहं करूंगा। इसी तरहे से श्री रामकुमार जी पंजाब के एम0एल0ए0 थे। वे 1957 और 1962 में एम0एल0ए0 रहे। वे एक पुराने स्वतंत्रता सेनानी थे और पुराने टाइम के कांग्रेसी थे। वे साफ–2 बात कहना बहुत मु कल है। उस पुराने ढंग के आदमी संसार से चले गये। इसका हमें बडा कश्ट है। स्पीकर साहब, मैं संसार से विदा होने वाले सभी संत पुरूशों को अपनी और से तथा अपने दल की और से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और प्रस्ताव का समर्थन करते हुये अपना स्थान लेता हूं।

बहिन भाांति देवी (करनाल): अध्यक्ष महोदय, आज मैं यहां अपने दे ा के , अपने प्रदे ा के तथा विदे ाों के भी कुछ महान व्यक्तियों और महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये उठी हू। उनमें से आचार्य विनोबा भावे जी हमारे दे ा के एक बहुत बउे तथा अपनी ही किस्म के कांन्तिकारी कहये या ऐसा व्यक्ति कहिये जिनके दिमाग में समाजवाद की अपनी ही किस्म की एक बात थी अर्थात सुखी व्यक्ति दुखी व्यक्ति को देखकर करूणित हो जाए। इन्सान को जो मिला है वह चाहे धन के रूप में है याजमीन के रूप में है जिस रूप में भी हो, उसका कुछ भाग अभावग्रस्त लोगों को अपने आप सौंप दे। ऐसा उनका विचार था। यह कोई मामूली बात नहीं है। आप जानते है कि कौन अपना धन और जमीन छोडना चाहता हूं। परन्तु उनके मन में गरीब के प्रति और दुखी के प्रति त्याग और सेवा और प्रेम की भावना थी और उन्होनें दूसरे अमीर आदमियों को भी प्रेरणा दी। हमने देखा कि

भूदान का आन्दोलन चला और ग्राम दान का आन्दोलन चला। अमीरों ने गरीबों की सहायता की। यह बहुत बडी बात है ओर जीवन उन्होनें तपस्या, त्याग, प्रेम और सेवा का जीवन बिताया। ऐसे महान आदमी कभी–2 इस संसार मे आते हे और अपनी सेवा का काम करके चले जाते है। इस लिस्ट में तो बहुत नाम है अगर मै सभी के नाम लुंगी तो बहुत समय लग जाएगा। जितने भी इस लिस्ट में है वे सभी एक प्रकार की महान विभुतियां थी जिन्होने अपने–2 क्षेत्र में अपनी अपनी योग्यता और अपने अपने हालात के मुताबिक काम किया, जो लोगों को पसन्द आए और उनकी सराहना हुई। आज हम भी इन नेताओं और महापुरूशों के कार्यो की सराहना करते हुये उनसे प्रेरणा लें और उनके जो अच्छे काम थे उनको अपने जीवन मे ंधारण करें जिससे हमारा भी जीवन उसी तरह से चले। ये जो कार्यक्रम होते है और ये जो दिंवगत आत्मांये है इनको तो श्रद्धांजलि अर्पित करनी ही होती है कि हम चिनतन करें, विचार करें इस समस्या पर कि जो इस संसर में आया है वह इसी रास्ते का पथिक है। हम भी सभी इसी रास्ते के यात्री है। हम भी सोचें कि इस जीवन की सच्चाई को स्वीकार करें ।जीवन की सच्चाई क्या है? हम इस संसार मे ंआये है और यह 5 भूतों से बना हैं एक दिन यह बिना बातये और बिना किसी मुहूर्त के चला जायेगा और पांच भूतों में मिल जायेगा। लेकिन इस भारीर में रह कर जो अवसर मिला है, उस समय की परिस्थिति का हमें सदोपयोग करना चाहिये। हमें अपने जीवन के एक–एक क्षण का सदोपयोग करना चाहिये। यह हमें विचार करना है। यह सभी

जानते है कि संसार में हमे ाा नहीं रहना है, यह सत्य हमें स्वीकार कर लेना चाहिये। यह भी देख लें कि जो कुछ भी हमें मिला है चाहे धन के रूप में है, जमीन के रूप में हे या पद के रूप मे है, एक समय आयेगा कि हमें यह सब छोडना पडेगा। न चाहते हुये भी छोडना पडेगा। तो इस अवस्था में हम यह देख लें कि सभी ने एक न एक दिन इस सांसर से जाना है क्यांकि सृश्टि का यह एक नियम है कि ारी तो नि चत ही छोडना पडेगा। कबीर जी ने कहा है जो घास जैसे उगता है वह वैसे सूख जाता है। इसी तरह से जो व्यक्ति जन्म लेकर इस संसार में आया है वह जायेगा भी। जिस तरह हर समय दिन की कल्पना नहीं हो सकती। जो सूर्य उदय हुआ है, उसका अस्त भी हेाता है। तो हम अपने जीवन में जहां तक हो सके सेवा के कार्य करें, प्रेम के कार्य करें और अपने लिये त्याग की भावना अपनाये। सेवा मनुश्य मात्र की भी सकती है और प ा पक्षी की भी हो सकती है। दे ा की सेवा, समाज की सेवा सभी इसमें भाामिल है और मनुश्य जीवन के लिये यही सबसे बडा काम है। हमें दूसरों की परिस्थितियों को देख कर उनके प्रति अपने कुछ त्याग करने चाहिये, वह असली सेवा है। हम जिन महापुरूशों को श्रद्धांजली दे रहे है, उनकी अच्छी बातों को हमें अपनाना चाहिये तभी वह सच्ची श्रद्धांजली होगी। इन भाब्दों के साथ उन लोगों के परिवारों के प्रति सद्भावना प्रकट करते हुये मैं भाोक प्रकट करती हूं।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैंबर्ज पिछले सै ान के बाद हम से बहुत सी रिनाउन्ड पर्सनैल्टीज अलग हो गई है। उनहोनें अपने–2 स्फीयर में बहुत अच्छे काम किये है। उनको डैथ से स्टेट और कंट्री को बडा धक्का लगा है और इसको दूर करना बहुत डिफिकल्ट है। यह लिस्ट तो बडी लम्बी है लेकिन उनमें से कुछ एक का जिक करना मेरे लिये जरूरी है।

आचार्य विनोबा भावे, सर्वोदय और भूदान मूवमैंट के फादर थे, He was a veteran freedom fighter जो कई बार जेल भी गये। इनफैक्ट वह महात्मा गांधी के एक स्पिचुअल हेयर थे। वह 14 लैंगवेजिज को जानते थे और उन्होनें हिन्दी और मराठी लैंगवज में कई बुक्स लिखी। He was a great figure who strode the pages of Indian History. He left behind a deep imprint of his ideology of Universal brother-hood and welfare of all human-beings.

श्री ल्योनिड इलिच ब्रेजनेव, यू0एस0एस0आर.0 के पांच साल तक प्रेजीडेंट रहे और वह सोवियत यूनियन में 16 सालों तक कई इम्पोटैंट पोसटस पर रहे। वह एक इंजीनियर भी थे। प्रैजीडेंट ब्रेजनेव वर्ल्ड में अपसी तनाव को कम रखने में बिलीव करते थे। उन्होने अपनी डैथ से 3 दिन पहले ही केमलिन मे यह अनाउसमेंट की कि उनकी कन्ट्री बर्ल्ड में तनाव कम करने के लिये काम करती रहेगी। उनकी डैथ से इंडिया ने एक सच्चा दोस्त खो दिया है।

श्रीमती भान्नो देवी हमारी विधान सभा की फौरमर स्पीकर थी। वह 1940 में ज्वायंट पंजाब में फर्स्ट टाईम इलैक्ट हुई थी। वह पंजाब विधान सभा में डिप्टी स्पीकर भी रही and she occupied this office till the re-roganisation of the Punjab State. उनके साथ मेरे बहुत नजदीकी संबंध रहे। जैसा अभी थोडी देर पहले डाक्टर साहब, ने बोलते हुये कहा कि जब वह बीमार थी तो उनकी किसी ने खबर नहीं ली। इस बारे में मैं डाक्टर साहब को बताना चाहता हूं कि मैं पर्सनली यमुनानगर होस्पीटल में जा कर उनसे मिला था। आप सभी जानते है कि वह अपने स्टैंड की पक्की थी। मैने उनसे कहा कि आपका 25–30 हजार रूपया विधान सभा की तरफ बकाया पडा है और आप वह पैसा ले ले लेकिन उन्होनें कहा कि मैं यह पैसा अपने हाथ फैला कर कैसे मागूं। फिर मैने खुद वह पैसा लेकर यमुनानगर होस्पीटल में जा कर उनहें दिया लेकिन फिर भी उन्होनें यह कहा कि आप यह सारा पैसा ट्रस्ट को दें दे। वह दिसमबर, 1966 में हरियाणा विधान सभा की फर्स्ट स्पीकर इलैक्ट हुई थी। इसके अलावा उन्होनें ऐ डेली न्यूज पेपर '' ाक्ति'' को भी 4 सालों तक एडिट कियाथा। She also remained Principal of Kanya Mahavidhalap Jullundur, उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक फ्रिडम फाइटर और पार्लिामैंअेरियान खो दिया है।

श्री उज्जल सिंह, पंजाब एंड मद्रास के गवर्नर रहे। वह 1926 में पजांब विधान सभा में फर्स्ट टाईम इलैक्ट हुये। 1930 और 1931 में राउंड टैबल कान्फ्रैस के डैलीगे ान के दो बार

मैंबर भी इलैक्ट हुये। वह 4 सालों तक सैंन्ट्रल एजुके ानल एडवाइजरी बोर्ड एंड आल इंडिया टैक्नीकल एजुके ज्ञन कौंसिल के मैंबर भी रहे। Besides this[he held offices of Director and President of various Institutions उनकी डैथ से हमारी कन्ट्री ने एक एबल एडमिनिस्ट्रेटर और एक्ससपीरयंस्ड पार्लियामैंटेरियन खो दिया है।

श्री महेन्लद्र मोहन चौधरी पंजाब के फौरमर गवर्नर थे। 1946 में वह आसाम विधान सभा के लिये यूनानीमसली इलैक्ट हुये थे। बाद मे वह आसाम प्रदे ा कांग्रेस कमेटी के प्रैंजीडेंट एंड आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के जनरल सैक्रेटरी भी रहे। वह 8 सालों तक आसाम विधान सभा के स्पीकर रहें और बाद मे आसाम के चीफ मिनिस्टर भी रहे। He was also a Member of Rajya Sabha. He was a front rank soldier in our freedom struggle. उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक सीजन्ड पार्लियामेंटेरियन खो दिया है।

चौधरी सूरज मल, ज्वांयट पंजाब के हरियाणा रीजन से एक फौरमर मिनिस्टर थे। He was a contemporary of Sir Chhotu Ram. वह कई सालो तक पंजाब विधान सभा और कौंसिल के मैंबर रहे। वह कांस्टीच्यूएंट असैम्बली के भी मैंबर थे। वह 1947 से 1948 तक भरतपूर स्टेट के चीफ मिनिस्टर भी रहे। उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक वैटर्न लीडर खो दिया है।

श्री पीलू मोदी पार्लियामेंट के मैंबर थे। He obtained the Master's degree in Architecture from U.S.A. and also worked for designing the Chandigarh Capital Project. वह लोक सभा और राजयसभा के मैंबर भी इलैक्ट हुये । उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक सीजन्ड पार्लियामेंटेरियन खो दिया है।

प्रोफैसर मुकून्द मडंल वैस्ट बंगाल असैम्बली के लिये 1971 में इलैक्ट हुये और 1977 और 1980 मे लोक सभा के लिये इलैक्ट हुये। उनहोनें रूरल एरियाज में एजुके ान को बढाने व डाउन–ट्रोडन की अपलिफट के लिये बहुत काम किया। उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक एजुके ानिस्ट खो दिया है।

श्री हरि विश्णु कामथ एक आई0सी0एस0 थे जिन्होने फ्रिडम मूवमेंट में पार्टीि ायेट करने के लिये आई0सी0एस0 से रिजाइन कर दिया था। वह कई बार जेल भी गये। वह 3 सालों तक कांस्टीच्युएंट असैम्बली के मैंबर और कई सालों तक लोक सभा के मैंबर रहे। श्री हरिविश्णु कामथ एडमिनिस्ट्रटिव रिफ ोर्मज कमी ान और प्रैस कौंसिल के मैंबर भी रहै। He was a great writer who was having an excellent knowledge of astrology.

श्री महमूद हसन खां एक फारमर थे जो 1977 में फर्स्ट टाईम लोक सभा के लिये इलैक्ट हुये और 1980 में दोबारा यू0पी0 की अपनी पुरानी कांस्टीच्युएंसी से इलैक्ट हुये। वह म्युनिसिपल कमेटी खुरजा के मैंबर ओर चेयरमैन भी रहे।

श्री श्रीचन्द गोयल हमारी स्टैट के डिस्ट्रिक्ट करनाल के एक गांव के रहने वाले थे। वह पजांब हाई कोर्ट की बार कौंसिल आफ इंडिया के ट्रेजरर भी बने। वह 4 सालों तक पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसिल के मैंबर भी रहे और 1967 में लोकसभा के लिये चण्डीगढ कांस्टीच्युऐंसी से इलेक्ट हुये। वह 1977–78 में पजांब एंउ हरियाणा हाई कोर्ट बार एोसिए ान के प्रैजीडेंट भी रहे। उनके साथ मेरे बहुत इनटैलीजैट हैं वकीलों की भलाई के लिये वह हर बात को पूरी करने की कोि ा ा करते थे। उनकी यह कोि ा ा थी कि वह जो बात कह देते थे उससे पीछ` नहीं हटा करते थे, उस बात की पूरी करते ि । इसलिये हमें उन पर फख्र है कि वे बुजुर्ग होते हुये भी अपनी कही हुई बात से पीछे नहीं हटते थे। उनहोनें हमोर लिये यहां चण्डीगढ़ में बैठकर और दिल्ली में बैठकर काम किये है। Hw was also a member of the Advisory Committee of the Union Home Ministry and that of the Chief Commissioner, Chandigarh.

श्री चिन्तामणि द्वारकानाथ दे ामुख, फौरमर युनियन फाईनैंस मिनिस्टर थे। He stood first in I.C.S. examination in 1918. वह रिजर्व बैंक आफ इंडिया के सैंट्रल बोर्ड में यूनियन गसर्नमेंट को एज डायरैक्अर रिप्रिजैंट करने के बाद 1943 तक इसके सैर्केटरी भी रहे। He held its offices of Deputy Governer and Governor upto 1949. He was the first Indian who occupied such high offices. वह पलानिंग बोर्ड के मैंबर, फर्स्ट चेयरमैन यूनिवर्सिटी ग्रंटस कमी ान एंड वाइस–चांसलर आफ देहली

युनिवर्सिटी भी रहे। 1975 में उन्हें पदम विभुशण की डिग्री भी दी गई । उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक एबल एडमिनिस्ट्रटर और इकानोमिस्ट खो दिया है।

श्री दे ा राज महाजन हमारी सिस्व्टर स्टेट हिमाचल प्रदे ा के मिनिस्टर थे जो 4 सालों तक हिमाचल प्रदे ा विधान सभा के स्पीकर भी रहे। उनकी डैथ से कन्ट्री ने एक सीजन्ड सो ाल वर्कर खो दिया है।

श्री प्यारे लाल लैयर एक वैटर्न फ्रिडम फाईटर थे जिनहोने 1920 में नान–कोआप्रेटिव मूवमेंट में पार्टीसिपेट करने के लिये कालेज छोड दिया था। वह 7 या 8 बार जेल भी गये। वह गांधी जी के प्राइवेट सैंक्रेटरी भी रहेह। उनहोनें गांधी जी द्वारा भारू की गई न्यू वीकली हरिजन को एडिट भी किया। He also wrote for “Young India”.

मैं इन सब ग्रेट पर्सनेल्टीज और बाकी जिनका इस लिस्ट में जिक्र है, इन सब को होमेज पे करता हूं।

मैं इस हाउस की सिमपैंथीज को बरीण्ट फैमिलीज तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से रिक्वेस्ट करूंगा कि इन डिपारटिड लीडर्ज के प्रति होमेज पे करने के लिये खडे होकर दोमिनट की साइलैंस आबजर्व करे।

(इस समय दिवंगत आत्माओं के सम्मान में सदन ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब.....
.....मेरी सबमि ान है कि उनको भी इसमें जरूर भाामिल कर लिया जाना चाहिये। (ाोर)

एक सदस्यः वे इस प्रदे ा के लोग नही ंहै।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, वे लोग भी हमारे भाई है। हमारे अपने दे ा के नागरिक है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं आपसे रिकवैस्ट कंरूंगा कि आपको उस समय यह बात लानी चाहिये थी जिस समय आप भाोक प्रस्ताव पर बोल रहे थे। उस समय तो आप ने किसी ने इस के बारे मे कुछ नहीं कहा। चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने चौधरी देवी लाल के दामाद के मुत्तालिक कहा था, वह सी0एम0 साहब ने मान लिया था। अब भाोक प्रस्ताव का समय समाप्त हो गया है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब.....
.....
.....

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

(I) पैनल आफ चेयरमैन

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसिजर एंड कन्डक्ट आफ बिजनैस के रूल 13 (1) के अधीन में नीचेलिखेा हुये मैंबर्ज को पैनल आफ चेयरमेन में काम करने के लिये नोमिनेट करता हूं:–

1. चौधरी ई वर सिंह

2. राव इन्द्रजीत सिंह

3. चौधरी धर्मवीर गावा

4. चौधरी साहब सिंह सैनी

(II) कमेटी आन पैटी ान्ज

श्री अध्यक्षः साहेबान, हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसिजर एंड कन्डक्ट आफ बिजैनैस के रूल 286(1) के अधीन मैं नीचे लिखे मैंबर्ज को कमेटी आन पैटी ान्ज मैं कार्य करने के लिये नोमिनेट करता हूं:–

1. श्री वेदपाल (उपाध्यक्ष) पदेन सभापति

2. चौधरी धर्मवीर गाबा

3. श्री निर्मल सिंह

4. चौधरी रो ान लाल आर्य

5. चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल

(II) अनुपस्थिति की अनुमति

चौधरी राजेन्द्र सिंह, खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (सम्बन्धी)

श्री अध्यक्ष मुझे चौधरी राजेन्द्र सिंह, फूड एंड सप्लाई मिनिस्टर का डी0ओ0 लैटर दिनांक 4–3–1983 प्राप्त हुआ है जोकि इस प्रकार है–

"I have received the summons in connection with the forthe coming Budget Session of the Haryana Vidhan Sabha commencing from the 7th March, 1983 at 2-00 p.m. I am sorry to inform you that due to heart attack myself got admitted in the Medical College, Rohtak from 13-2-83 and at present under treatment in the said Hospital.

Due to my prolonged illness I am unable to attend the Session of the Haryana Vidhan Sabha and request for leave of absence from the forthcoming Budget Session".

Question is:-

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

सचिव द्वारा घोशणा

राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलों संबंधी

श्री अध्यक्षः अब सैक्रेटरी साहब अनाउसमैंट करेगें।

सचिवः मैं उन बिलों को द र्ाने वाला विवरण, जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर सै ान, 1982 में पास किये थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

1. हरियाणा विनियोग (सं0 4) विधेयक , 1982।

2. फरीदाबाद संव्यूह (विनियमन तथा विकास) द्वितीय सं ाोधन विधेयक, 1982।

3. पंजाब मोटर स्पिरिट (विक्रय–कराधान) हरियाणा सं ाोधन विधेयक, 1982।

वाक आउट

श्रीमती चन्द्रवतीः अध्यक्ष महोदय, जो भाोक प्रस्ताव गवर्नमेंट की तरफ से आया है।.....

.....

.....

.....

.....

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ...

.....

.....जिस समय हम बोल रहे थे उस समय इस सम्बन्ध में हम कहना गलती से भूल गये थे। मैं आपसे उम्मीद करता हूं

कि आप इस प्रस्ताव के लाने के बारे में सरकार को कहेगें वरना मजबूरन हमें ताक आउट करना होगा। आप भी हमारी बात से सहमत होगें कि ऐसा होना चाहिये।

श्री मंगल सैनः सर मेरी सबमि ान है कि मो ान मुव करने से पहले हमारे से यह बात निकल गई। इस समय इस पर बात करने का मौका दिया जाये।.....

.....

.....

...यह मामला बहुत महत्व रखता है। हम यह नहीं कहते कि इन लोगों के प्रति श्रद्धांजलि पहले लाई जाये। आप इनकी लाईन आखिर में जोड दे। स्पीकर साहब आपको इस तरफ ध्यान देना चाहिये।

श्री अध्यक्षः देखिये साहेबान, आप किसी न किसी पार्टी के मैंबर है। आपकी पार्टी के मैंबर पार्लियामेंट में भी है। यह मामला पार्लियामेंट का है। यह स्टेट का मामला नहीं है। यहां पर तो सटेट की बात ही ठीक रहेगी। वैसे यह मामला पार्लियामेंट के अन्दर उठाया जा चुका हैं यह स्टेट की बात नहीं है। (ाोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं कि भााोक प्रस्ताव पर श्रीमती चन्द्रावती श्रीवीरेन्द्र सिंह, डा0 मंगल सैन जैसे कई लीडर बोले है लेकिन इन्होने बोलते समय किसी ने भी

इस बात का जिक्र नहीं किया ओर अब जब भाोक प्रस्ताव खत्म हो गया है.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैनः यह गलत बात हैक। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मगरमच्छ वाली बात एक्संपज कर दी जाये।

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब.....

.....

.....(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, आपने अपने खलात का इजहार किया, वह मैने सुन लिया है। मैं समझता हूं कि इस स्टैज पर उनके लिये औबिचुरी रैंफ्रेस लाने का मामला हमारी जुरिस्टिडक ान में नहीं आता इसलिये आप असैम्बली को चलने दीजिये ।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री रामबिलास भार्माः .....

.....

.....(ाोर एवं व्यवधान)

प्रोफैसर सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै ंपूछना चाहता हूं कि जिन व्यक्तियों के बारे में अभी भाोकप्रस्ताव आये है, क्या यह सारे के सारे हरियाणा के रहने वाले थे? जिन्होनें दे ा की सेवा

की थी, उन्ही का नाम इस लिस्ट में आया है, इसलिये इनका भी आना चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, वह आईटम तो निकल गया है, अब इस स्टेज पर बार–2 कहने का कोई फायदा नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब.....

.....

.....

(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो कुछ आपने कह लिया है इससे ज्यादा और क्या हो सकता है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, ये तो मुस्करा रहे है, कम से कम अपने चेहरे पर भाोक का इजहार तो कर दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कवंल सिंहः .....

.....

श्री अध्यक्षः इन वट कपैसिटी? इस विधान सभा का उनसे क्या सम्बन्ध है?

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब,.....

.....

.....

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, इस इ ू को किसी एक आदमी के नाम से , कंडोलैंस रैजोल्यू ान के रूप में मूव नहीं कर सकते। किसी दूसरे प्रस्ताव का इ ू हो सकता है। वास्तव में यह ला एंड आर्डर का मामला है और युनियन होम मिनिस्टरी की जुरिस्डिक ान में आता है और यह मामला पार्लियामेंट में उठाया जा सकता है, इसका इस सदन से कोई ताल्लुक नहीं है। इस लिये इस विशय में जो भी प्रोसीडिंग हुई है, वह एक्सपंज कर दी जायें क्योकिं यह मामला इस सदन की जुरिस्डिक ान में नही आता।

श्री कवंल सिंहः आप कम से कम सहानुभूति तो भेज दीजिये? (व्यवधान)

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहुंगा। अगर हमारे दे ा के किसी कोने में कोई भयानक दुर्घटना हो जाये, कत्लेआम हो जाये, भुकम्प से लोग पीडीत हो जायें, बाढ से पीड़ित हो जाए, क्या उनकी सहानुभूति में उन मरने वालों के प्रति हम श्रद्धांजलि अर्पित नहीं कर सकते?

श्री अध्यक्षः इतने बडे दे ा में कहां–कहां, क्या–क्या हो रहा है, इन सारी बातों का इल्म होना, इन सारी बातों का जवाब

हरियाणा विधान सभा ही दे, यह मु कल है। इसके अलावा आप को किसी एक भी आदमी के नाम का पता नहीं जो इस दुर्घटना में मारा गयाहो। इसलिये मैनें आपसे अर्ज की है कि जो आपके ख्यालात थे, जिन–2 बातों का आपने इजहार किया, वे मैने सुन ली। लेकिन मेरे लिय सम्भव नहीं है कि ऐसी सिचुए ान से सम्बन्धित जो आदमी मारे गये है, उनको भी इनके साथ लूं। यह आईटम निकल चुका है, प्रस्ताव पास हो चुका है, अब दोबारा यह चैप्टर खोलना मेरे लिये मु कल है। (व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, औबिचुअरी रैफरैंसिज के बीच में हम बोलना नहीं चाहते थे। सरकार का खुद फर्ज बनता था। इसका भी रिफैंस ले आते। पिछले सै ान में सिरसा और कालांवाली में भाराब से लोग मारे गए थे उनकी सहानुभूति के लिए भी प्रस्ताव आना चाहिए। कहीं पर रेल से एक्सीडैंट हो जाए, या कहीं पर रौयट्स हो जाएं और बहुत से लोग मारे जाएं तो क्या हम उनकी सहानुभुति में अपने विचार प्रकट नहीं कर सकते ? इसलिए हम चाहते हैं कि सरकार की तरफ से वहां पर मरने वाले लोगों के लिए प्रस्ताव आना चाहिए। सरकार हां कर दे कि प्रस्ताव आयेगा।

श्री अध्यक्षः क्या ऐसी सिचुए ान पर कभी औबिचुअरी रैफ्रेंस आता है ? इस विधान सभा का उसके साथ क्या सम्बन्ध है ? (व्यवधान)

17.00 बजे

श्रीमति चन्द्रावतीः आप आ वासन दीजिए कि गवर्नमैंअ प्रस्ताव लायेगी। (व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः मरने वाले व्यक्ति चाहे इस दे ा के हों, चाहे विदे ा के हों, चाहे किसी सैक ान के हों, क्या इनके प्रति भाोक प्रस्ताव पे ा करने पर कोई पाबन्दी है ? क्या इस प्रकार के भाोक प्रस्ताव पर सदन में बहस नहीं की जा सकती ?

श्री अध्यक्षः मैं आपकी आर्गुमैंट समझता हूं लेकिन मैंने जवाब दे दिया है जब एक आईटम गुजर चुका हैं, औबिचुअरी रैफरैंसिज खत्म हो चुके हैं तो इस चैप्टर पर बार बार बात करना ठीक नहीं है। (व्यवधान)

कई सदस्यः तब हम वाक आउट करते हैं।

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब मैं वेरियस बिजनैस के बारे में बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा फिक्स किये गये टाईम टेबल की रिपोर्ट पेश्ज्ञ करता हूं।

"The Committee met at 11.10 A.M., on Monday, the 7th March, 1983, in the Chamber of the Hon'ble Speaker."

The Committee recommended that unless the Speaker othewise directs, the Assembly, whilst in Session, shall meet on Mondays at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Tuesdays, Wednesdays, Thursdays and Fridays at 9.30 A.M., and adjourn at 1.30 P.M., without question being put.

The Committee after some discussion, also recommended that the Business on 7th, 8th, 9th, 10th, 11th and 14th March, 1983, be transacted by the Sabha as follow:-

The House will meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address on the 7th March, 1983.	1. Laying a copy of the Governor's Address on the Table of the House. 2. Obituary References. 3. Presentation and adoption of the First Report of the Business Advisory Committee. 4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House. 5. Presentation of Preliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports thereon.
Tuesday, the 8th March, 1983	1. Question Hour.

(9.30 A.M.)	2. Papers to be laid on the Table of the House. 3. Presentation of Supplementary Estimates (Second Instalment) 1982-83 and the Report of the Estimates Committee thereon. 4. Discussion on Governor's Address.
Wednesday, the 9th March, 1983 (9.30 A.M.)	1. Question Hour. 2. Resumption of discussion on Governor's Address.
Thursday, the 10th March, 1983 (9.30 A.M.)	1. Question Hour. 2. Non-Official Business.
Friday, the 11th March, 1983 (9.30 A.M.)	1. Question Hour. 2. Resumption of discussion on Governor's Address and Voting on Motion of Thanks.
Saturday, the 12th March, 1983	OFF-DAY
Sunday, the 13th March, 1983	HOLIDAY
Monday, the 14th March, 1983 (2.00 P.M.)	1. Question Hour. 2. Presentation of Budget for

	the year 1983-84.

The Committee further decided to hod its next meeting on Monday, the 14th March, 1983, immediately after conclusion of the Budget Speech by the Finance Minster.

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): Speaker, Sir, with your permission, I would like to invite your kind attention to the point of order raised by me that all the proceedings which were spoken without the permission of the chair should be expunged because this House has no jurisdiction to discuss that matter. You have not given any ruling on this point of order.

श्री अध्यक्ष: एक्सपंज कर दिये जायें।

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): Speaker, Sir, I beg to move:-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फस्ट रिपोर्ट में दी गयी सिफारि ाों के साथ सहमत हे।

श्री अध्यक्ष: प्र न हैः—

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की फस्ट रिपोर्ट में दी गयी सिफारि ाों के साथ सहमत हे।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): Speaker, Sir, I beg to lay on the Table of the House:-

1. The Haryana Forest Development Ordinance, 1982 (Haryana Ordinance No. 4 to 1982.)

2. The Maharshi Dayanand University (Amendment) Ordinance, 1982 (Haryana Ordinance No. 5 to 1982).

3. The Haryana General Sales Tax (Amendment and Validation) Ordinance, 1983 (Haryana Ordinacne No. 1 of 1983).

4. The Faridabad Complex (Regulation and Development) Amendment Ordinance, 1983 (Haryana Ordinacne No. 2 of 1983).

5. The Agriculture Department Notification No. G.S.R. 89/P.A.A 2/58/S. 34/Amd. (1)/82, dated the 3rd September, 1982, regarding the Punjab Warehouses (Haryana First Amendment) Rules, 1982, as required under section 34(3) of the Punjab Warehouses Act, 1957.

6. The Exeise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 105/HA. 20/73/S. 64/Amd. (5)/82, dated the 30th September, 1982 regarding the Haryana General Sales Tax (Fifth Amendment) Rules, 1982 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

7. The Exeise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 120/HA. 20/73/S. 64/Amd. (6)/82, dated the 20th October, 1982 regarding the Haryana General Sales Tax (Sixth Amendment) Rules, 1982 as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

8. The Exeise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 21HA. 20/73/S. 64/Amd. (2)/83, dated the 17th February, 1983, regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1983, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

9. The Annual Report of Haryana Agricultural University, Hissar for the year 1980-81, as required under section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

10. The Annual Report and Accounts of Haryana Warehousing Corporation for the year 1980-81, as required under section 31(11) of the Warehousing Corporation Act, 1962.

11. The Annual Report and Accounts of Haryana Warehousing Corporation for the year 1981-82, as

required under section 31(11) of the Warehousing Corporation Act, 1962.

12. The Annual Report and Accounts of Haryana Seeds Development Corporation Ltd. for the year 1980-81, as required under section 619 of the Companies Act, 1956.

I also beg to relay on the Table of the House:-

1. The Exeise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 62/HA. 20/73/S. 64/Amd. (3)/82, dated the 14th May, 1982, alongwith its corrigendum dated 30-6-1982, regarding the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Rules, 1982, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

2. The Exeise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 95/HA. 20/73/S. 64/Amd. (4)/82, dated the 14th September, 1982, regarding the Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules, 1982, as required under section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

3. The Transport Department Notification No. G.S.R. 49/C.A. 4/39/S. 91/Amd. (1)/82, dated the 29th March, 1982, regarding the Punjab Motor Vehicles (Haryana First Amendment) Rules, 1982, as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

4. The Transport Department Notification No. G.S.R. 74/C.A. 4/39/S. 41/Amd. (2)/82, dated the 21st June, 1982, regarding the Punjab Motor Vehicles (Haryana Second Amendment) Rules, 1982, as required under section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

ब्रीच आफ प्रिविलेज के मामलों में प्रिविलेजिज कमेटी की प्रिलिमिनरी रिपोर्ट पे ा करना तथा अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने के लिए समय बढ़ाना।

1. 24—5—82 को राज भवन में हरियाणा के राज्यपाल का कथित अपमान करने, गाली देने तथा बल प्रयोग करने के लिए चौधरी देवी लाल एम.एल.ए. के विरूद्ध

Sh. Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privilege): Sir, I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges of the Haryana Vidhan Sabha on the matter in regard to the question of alleged breach of privilegeagainst Ch. Devi Lal, M.L.A., for alleged insulting, abusing and man-handling the Governor of Haryana in Raj Bhawan on the 24th May, 1982.

Sir, I also beg to move:-

That the time for the presentation of the final Report be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह प्रिविलेज मो ान, 24 जून को मूव किया गया था और उस समय मैंने इस सदन में अर्ज किया था कि इस मो ान का कोई लीगल बेस नहीं है। मो ान के तुरन्त बाद आपने इसके लिए एक कमेटी मुकर्रर की थी।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, मेरे ख्याल में इस मो ान पर स्पीच नहीं हो सकती है। ऐसा रूल्ज में दिया हुआ है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं स्पीच नहीं कर रहा हूं। मैं तो आपके नोटिस में एक चीज लाना चाहता हूं। आपने जो कमेटी मुकर्रर की थी, उस बारे में मैंने पिछले सै ान में भी अर्ज किया था कि उस कमेटी का काम्पलैक ान मुकम्मल तौर पर बदल गया है। यह इस लिहाज से कि उस समय आपने जो कमेटी मुकर्रर की थी, उसमें बाकायदा सब पक्षों के एम.एल.ए. साहेबान को रखा गया था। परन्तु बाद में बहुत सारे सदस्य जो उस कमेटी में थे, रूलिंग पार्टी में चले गये। इसलिए मैं आपसे यह गुजारि ा करता हूं कि एक तो इस प्रिविलेज मो ान को आगे चलाने की कोई जरूरत नजर नहीं आती। यदि सरकार फिर भी इस बात पर बजिद है कि इसको आगे चलाया जाये तो इस कमेटी को आप रि–कांस्टीच्यूट कीजिये ताकि इसका काम्पलैक ान जिस प्रकार

पहली बार था, उसी तरह का हो सके। आप फिर से इसमें नौमीने ान करके इसका काम्पलैक ान ठीक कीजिये ताकि मैम्बर्ज को यह पता लग सके कि यह कमेटी फेयरली अपना काम करेगी। मैं इसलिए ही आपसे अर्ज करना चाहता था।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, बात यह है कि रूलिंग पाट्री के दोस्त बहुत ही उतावले हो रहे हैं कि प्रिविलेज का मामला जो विचारधीन है उसका फैसला जरूर ही किया जाए और फैसला करके नया रिकार्ड कायम यिा जाए। स्पीकर साहब, मैं इनको सुझाव देना चाहता हूं कि अब एटमौफेयर ही बदल गया है ओर जैसा कि चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जिस समय कमेटी कांस्टीच्यूट की गई थी, उस वक्त असैम्बली में डिफरैन्ट ग्रुप्स थे, उनके रिप्रैजनटेटिव्ज उस कमेटी में लिए गए थे। बाद में इन्होंने कुछ मैम्बर्ज को अल्योरमैंन्ट देकर अपनी और कर लिया और वे इनकी ओर चले गए। डैमोक्रैसी में होना तो यह चाहिए कि जिस पार्टी से कोई चुनकर आए उसको उसी पार्टी में रहना चाहिए। इसलिए मेरा कहना यह है कि कमेटी को दुबारा कांस्टीच्यूट किया जाए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभी तक ऐक्सटैन् ान के लिए रिक्वैस्ट कर रहे हैं इसके बारे में हम आपस में बैंठकर बात कर लेंगे।

श्रीमति चन्द्रावती: स्पीकर साहब, बात यह है कि यह मामला प्रिविलेज का बनता ही नहीं था ओर फिर उसका टाईम ऐक्सैटन्ड करने का प्रस्ताव रखते जाएं, मैं समझती हूं कि यह बड़ी गलत चीज हैं। अभी चौधरी वीरेन्द्र सिंह ओर डा. मंगल सैन ने कहा है कि अब वह सारा रैफ्रैंस बदल चुका है इसलिए इस पर दुबारा विचार होना चाहिए। स्पीकर साहब, राज भवन कभी भी असैम्बली का पार्ट नहीं हो सकता। वह किसी भी कानून और कायदे से असैम्बली का पार्ट नहीं है। आप बड़े से बड़े लीगल एडवाइजर से सलाह ले लीजिए। हतना तो मैं भी इस बारे में जानती हूं।

श्री अध्यक्ष: प्र न है:—

कि अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) 24—6—82 को सदन में राज्यपाल के अभिभाशण के अवसर पर उनके कथित अवचार सम्बन्धी चौधरी देवी लाल एम. एल.ए. के विरूद्ध

Sh. Inder Singh Nain (Chairman, Committee of Privilege): Sir, I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges of the Haryana Vidhan Sabha on the matter in regard to the question of alleged breach of privilege against Ch. Devi Lal, M.L.A., regarding his

misconduct on the eve Governor's Address to the House on the 24th June, 1982.

Sir, I also beg to move:-

That the time for the presentation of the final Report be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न हैः—

कि अन्तिम रिपोर्ट पे ा करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अध्यक्षः अब हाउस कल दिनांक 8—3—1983, सुबह 9.30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

17.21 बजे

(तत्प चात् सदन मंगलवार, दिनांक 8—3—1983 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)